राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 340 | रायपुर | बुधवार 10 दिसंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

अफगानिस्तान में फिर डोली धरती, 4.5 के बाद अब आया 3.8 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता की 7 मंजिला इमारत में भीषण आग, 20 की मौत

केंद्र ने त्रिपुरा के 30 विशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूह बस्तियों में संपर्क बढ़ाने के लिए 25 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी

एजेंसी

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पीएम-जनमन के सड़क संपर्क घटक के अंतर्गत त्रिपुरा के लिए 68.67 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 65.38 किलोमीटर लंबाई की 25 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। राज्य में 30 पीवीटीजी बस्तियों को बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान करेगी। राज्य में रहने वाले विशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, सुदूरवर्ती गांवों और शहरी केंद्रों के बीच की खाई को पाटेगी। क्षेत्र में आर्थिक विकास, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगी।

इंडिगो संकट पर केंद्र की सख्ती तेज :

इंडिगो की उड़ानों में कटौती करेगी सरकार

केंद्र सरकार ने दी जेल भेजने की चेतावनी : इंडिगो की 60 से ज्यादा फ्लाइट मंगलवार को भी कैंसिल

सरकार बोली- इनकी उड़ानों में कटौती करके दूसरी एयरलाइंस को देंगे

एजेंसी

नई दिल्ली. भारतीय विमानन क्षेत्र में पिछले एक हफ्ते से जारी उथल-पुथल के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो एयरलाइंस पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है. 2 दिसंबर से शुरू हुए फ्लाइट कैंसिलेशन के संकट और यात्रियों के बढ़ते गुस्से को देखते हुए नियामक ने इंडिगो को अपने फ्लाइट शेड्यूल में तत्काल प्रभाव से 5 प्रतिशत की कटौती करने का कड़ा आदेश दिया है. इस आदेश का सीधा मतलब है कि इंडिगो की रोजाना उड़ान भरने वाली करीब 110 फ्लाइट्स अब रद्द रहेंगी या उनके स्लॉट दूसरी एयरलाइंस को दिए जाएंगे, ताकि हवाई अड्डों पर फंसी भीड़ को राहत मिल सके.

इंडिगो की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, आज इंडिगो की कुल 67 फ्लाइट्स कैंसिल की गई हैं। इनमें चेन्नई, बेंगलुरु और तिरुवनंतपुरम जैसे एयरपोर्ट्स के नाम शामिल है। वहीं, इंडिगो की लापरवाही के बाद सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है। पिछले 7 दिनों में इंडिगो ने 4500 से ज्यादा फ्लाइट्स रद की थीं। सरकार का कहना है कि अब वो इंडिगो की फ्लाइट्स में कटौती करके कुछ स्लॉट दूसरी एयरलाइंस को भी दिए जाएंगे। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बीते दिन संसद में इंडिगो को चेतावनी देते हुए कहा था कि मामले की जांच शुरू हो गई है। सरकार इसपर ऐसी सख्त कार्रवाई करेगी कि भविष्य में सभी एयरलाइंस के लिए उदाहरण सेट होगा।

नायडू ने देश में नई एयरलाइंस शुरू करने की भी बात कही है। उन्होंने कहा, देश को कम से कम 5 बड़ी एयरलाइंस की जरूरत है और नई एयरलाइंस शुरू करने का ये सबसे सही समय है। इंडिगो अभी देश में 2200 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट कर रही है, जिसे कम किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने NDA संसदीय दल की बैठक के बाद कहा, ...प्रधानमंत्री मोदी ने सभी NDA सांसदों को देश के लिए और अपने संसदीय क्षेत्र के लिए, राज्य के लिए क्या-क्या करना है, उसके लिए मार्गदर्शन दिया है...प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों की जिंदगी को सुधारने के लिए सुधारों पर बहुत जोर दिया है...देश के आम लोगों की जिंदगी को आसान और आरामदायक बनाने के लिए सुधार, हर क्षेत्र में सुधार होने चाहिए...प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत साफ शब्दों में कहा है कि कोई भी ऐसा कानून, नियम नहीं होना चाहिए, जो बिना मतलब नागरिकों को परेशान करें...कानून लोगों पर बोझ नहीं बल्कि उनकी सुविधा के लिए होना चाहिए...प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में देश को और तेजी से आगे ले जाने के लिए और तेजी से काम करने के लिए कहा है...बहुत अच्छी बैठक हुई है इसी बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी इंडिगो पर कड़ा कदम उठाया है। सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में एयरलाइन को अपनी 5% फ्लाइट्स तुरंत कम करने का आदेश दिया गया। इससे इंडिगो की लगभग 115 दैनिक उड़ानें प्रभावित होंगी, क्योंकि कंपनी सामान्य दिनों में करीब 2300 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। यात्रियों की बढ़ती दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने 10 प्रमुख एयरपोर्ट्स पर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने का निर्णय लिया है।

पीएम ने कहा—सिस्टम सुधारना ज़रूरी, जनता को तकलीफ नहीं होनी चाहिए

इंडिगो एयरलाइन में पिछले आठ दिनों से लगातार जारी अव्यवस्था के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन में हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में स्थिति को लेकर कड़े शब्दों में चिंता जताई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के अनुसार, पीएम मोदी ने साफ कहा कि देश में ऐसे नियम और प्रक्रियाएं बननी चाहिए जो सिस्टम को मजबूत करें, लेकिन आम यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

एआई के मामले में दुनिया भारत के प्रति आशावादी है : प्रधानमंत्री

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और सीईओ श्री सत्या नडेला के साथ एक उपयोगी चर्चा के बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की नेतृत्व क्षमता को लेकर आशा व्यक्त की। माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वह एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा निवेश भारत में करेगा, प्रधानमंत्री ने माइक्रोसॉफ्ट की इस घोषणा का स्वागत किया और कहा कि यह नवाचार और प्रौद्योगिकी में देश की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री ने श्री सत्य नडेला के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा: ÷जहां तक एआई का सवाल है, दुनिया भारत के प्रति आशावादी है!

श्री सत्या नडेला के साथ बहुत उपयोगी चर्चा हुई। यह देखकर खुशी हुई कि माइक्रोसॉफ्ट एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा निवेश भारत में करेगा। भारत के युवा इस अवसर का उपयोग; नवाचार करने और बेहतर दुनिया के लिए एआई की शक्ति का लाभ उठाने में करेंगे।÷

हरियाणा कैबिनेट का बड़ा फैसला : टूरिस्ट और अन्य परमिट वाहनों की चलने की अवधि में बदलाव

चंडीगढ़ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई कैबिनेट की बैठक में हरियाणा मोटर व्हीकल्स रूल्स, 1993 के तहत टूरिस्ट परमिट के अनुसार चलने वाली टूरिस्ट गाड़ियों को चलाने की अवधि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन नियमों को हरियाणा मोटर व्हीकल्स (संशोधित) नियम, 2025 माना जाएगा। संशोधित नियम अनुसार, एनसीआर में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर पेट्रोल या सीएनजी पर चलने वाली गाड़ियों को 12 साल तक चलाने की इजाजत होगी, जबकि इसी परमिट कैटेगरी की डीजल गाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाने की इजाजत होगी। नॉन-एनसीआर एरिया के लिए, पेट्रोल या सीएनजी और डीजल पर चलने वाली ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट गाड़ियों की भी ज्यादा से ज्यादा 12 साल तक चलाया जा सकेगा। एनसीआर इलाके में स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत शेष सभी गाड़ियों के परमिट के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे इंधन पर चलने वाली गाड़ियों की ज्यादा से ज्यादा अवधि 15 साल तय की गई है। हालांकि, केवल एनसीआर इलाके में इस टाइप के परमिट के तहत चलने वाली डीजल गाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाया जा सकेगा।

नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में कैसे जुड़ा नाम? सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी

नई दिल्ली एजेंसी

बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए मतदाता सूची में नाम शामिल कराने से जुड़े मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। यह नोटिस वकील विकास त्रिपाठी द्वारा दायर रिवीजन पिटीशन पर जारी किया गया है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 6 जनवरी, 2026 को होगी। वकील विकास त्रिपाठी का कहना है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 की नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में शामिल था, जबकि उन्होंने 30 अप्रैल 1983 को भारत की नागरिकता हासिल की। इसी आरोप के आधार पर मजिस्ट्रेट कोर्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच कराने की मांग की गई थी, लेकिन सितंबर 2025 में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी आदेश को चुनौती देते हुए त्रिपाठी ने रिवीजन पिटीशन दाखिल की, जिस पर अब राऊज एवेन्यू कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है।

दाखिल याचिका में कहा गया है कि 1980 की वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम कैसे शामिल हुआ, जबकि तब तक उन्होंने भारतीय नागरिकता प्राप्त नहीं की थी। याचिका में यह भी पूछा गया है कि 1982 में उनका नाम वोटर लिस्ट से हटाया गया था, तो आखिर किन कारणों से यह कार्रवाई हुई?

याचिका में यह भी कहा गया कि यदि 1983 में ही नागरिकता मिली, तो 1980 में नाम शामिल कराने के लिए किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया? क्या उस समय फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराया गया?

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वे आरोपों पर विस्तृत जवाब दाखिल करें। बता दें कि इससे पहले, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सितंबर 2025 में दायर उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच कराने की मांग की गई थी। बाद में, इसी आदेश को चुनौती देते हुए रिवीजन पिटीशन दाखिल की गई, जिस पर कोर्ट ने अब जवाब मांगा है।

भारत में 17.5 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड निवेश करेगा माइक्रोसॉफ्ट

एजेंसी।

एशिया में अब तक का सबसे बड़ा इंवेस्टमेंट करेगी कंपनी अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 बिलियन डॉलर (करीब 1.58 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। ये कंपनी द्वारा पूरे एशिया में अभी तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने मंगलवार को एक्स पर किए गए एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। भारत में माइक्रोसॉफ्ट का ये निवेश एआई के क्षेत्र में होगा। माइक्रोसॉफ्ट ने एक बयान में कहा कि कंपनी 2026 से 2029 के बीच अगले चार सालों में भारत में 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी, जिससे एआई को बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

भारत-नेपाल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण संपन्न

एजेंसी

उन्नत दिन/रात दृष्टि और सुरक्षित युद्धक्षेत्र संचार। भारतीय सेना ने कहा कि इस सत्यापन ने बटालियन, कंपनी और टीम स्तरों पर निर्बाध अंतर-संचालन, सुसंगत मिशन योजना और संयुक्त अभियानों के समन्वित निष्पादन को प्रदर्शित किया, जिसमें खुफिया जानकारी पर आधारित सर्जिकल कार्रवाइयों और जटिल इलाकों में हवाई प्रवेश पर जोर दिया गया।

भारत-नेपाल संयुक्त अभ्यास सूर्यकिरण का 19वां संस्करण उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में एक समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ, जो एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का सफल समापन था, भारतीय सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

विदेश | भारत को अपना चावल अमेरिका में खपाने की इजाजत क्यों मिल रही है? : ट्रंप

अब चावल पर टैरिफ लगाने के विचार में डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

, वॉशिंगटन , राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से अमेरिका आने वाले चावल पर सख्ती करने के संकेत दिए हैं। ट्रंप ने एक बयान में कहा कि भारत को अपना चावल अमेरिकी बाजार में नहीं खपाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि ऐसा न हो, हम इसका ध्यान रखेंगे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में किसानों और कृषि क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और कृषि मंत्री ब्रूक रोलिंस भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने किसानों के लिए 12 अरब डॉलर की संघीय मदद देने का भी एलान किया। बैठक में केनेडी राइस मिल के मालिकाना हक वाले परिवार की सदस्य मेरिल केनेडी भी मौजूद रहीं। मेरिल ने कहा कि अमेरिका में विभिन्न देश अपना सस्ता चावल खपा रहे हैं, जिसके चलते देश के किसानों को बहुत संघर्ष करना पड़ रहा है। इस पर ट्रंप ने मेरिल से पूछा कि कौन से देश अपना चावल अमेरिका में खपा रहे हैं? तो इस पर मेरिल ने कहा 'भारत, थाईलैंड और चीन प्यूर्टो रिको में अपना चावल खपा रहा है। पहले प्यूर्टो रिको, अमेरिकी चावल का सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन अब कई वर्षों से हमने अपना चावल प्यूर्टो रिको नहीं भेजा है।' मेरिल ने कहा कि ये पहले कई वर्षों से हो रहा है, लेकिन मौजूदा प्रशासन में ये बड़े पैमाने पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ काम कर रहे हैं, लेकिन इन्हें बढ़ाकर दोगुना करने की जरूरत है।

ट्रंप ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा, मुझे भारत के बारे में बताइए, भारत को अपना चावल अमेरिका में खपाने की इजाजत क्यों मिल रही है? उन्हें टैरिफ देना चाहिए या उन्हें चावलों पर कोई छूट मिली हुई है? इस पर वित्त मंत्री ने कहा 'भारत को कोई छूट नहीं मिली है, लेकिन हमारी अभी भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है।'

वंदे मातरम बोलने पर इंदिरा जी ने डाल दिया था जेल : शाह

अमित शाह का कांग्रेस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, राज्यसभा में जोरदार बहस

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राष्ट्रगीत का दमन इंदिरा गांधी के शासनकाल में शुरू हुआ, जब ÷वंदे मातरम बोलने वालों को जेल में डाल दिया गया÷ और अखबार बंद कर दिए गए। शाह ने कहा कि भारत में किसी भी महान रचना की हर बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाया जाता है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के कारण पिछली वर्षगांठों पर वंदे मातरम को उचित मान्यता नहीं मिली।

अमित शाह ने विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी और अखबारों पर सेंसरशिप को याद करते हुए कहा कि जब वंदे मातरम के 50 साल पूरे हुए, तब देश स्वतंत्र नहीं हुआ था। जब इसकी स्वर्ण जयंती आई, तो जवाहरलाल नेहरू ने इसे दो भागों में विभाजित कर दिया। जब यह 100 साल का हो गया, तो इसका कोई महिमामंडन नहीं हुआ क्योंकि आपातकाल के दौरान इंदिरा जी ने वंदे मातरम बोलने वालों को जेल में डाल दिया था।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय गीत को लेकर पार्टी की तुष्टिकरण की राजनीति ने भारत के विभाजन में योगदान दिया। शाह ने कहा कि मेरे जैसे कई लोग मानते हैं कि अगर कांग्रेस ने अपनी तुष्टिकरण की नीति के तहत वंदे मातरम का विभाजन नहीं किया होता, तो देश का विभाजन नहीं होता और आज देश अखंड होता। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनी स्वर्ण जयंती के दौरान गीत को दो छंदों तक सीमित करने के फैसले ने राजनीतिक तुष्टिकरण की शुरुआत की।

शाह ने आरोप लगाया कि कई भारतीय ब्लॉक नेताओं ने ऐतिहासिक रूप से वंदे मातरम गाने से इनकार किया है, और ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया जब गीत गाए जाने पर सदस्य लोकसभा से बहिर्गमन कर गए थे। उन्होंने कहा, ÷उस समय, जब हम वंदे मातरम गाना शुरू कर रहे थे, तो इंडिया गठबंधन के कई लोगों ने कहा था कि वे इसे नहीं गाएंगे।÷ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए भाजपा के दीर्घकालिक प्रयासों को याद करते हुए, शाह ने कहा कि पार्टी ने संसद में राष्ट्रगीत गायन की परंपरा को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 1992 में, भाजपा सांसद राम नाइक ने वंदे मातरम गायन को फिर से शुरू करने का मुद्दा उठाया था। उस समय, विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी ने लोकसभा अध्यक्ष से इस प्रथा को बहाल करने का पुरजोर आग्रह किया था। लोकसभा ने सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी थी। शाह ने आगे कहा कि वंदे मातरम कभी आज़ादी का नारा था और अब यह एक विकसित भारत के निर्माण का नारा बनेगा। उन्होंने कहा, ÷उस युग में वंदे मातरम देश को आज़ाद कराने का कारण बना और अमृत काल में यह देश के विकास और उसे महान बनाने का नारा बनेगा।÷ इस बीच, ये चर्चाएँ वंदे मातरम की विरासत और 150 वर्षों के स्मरणोत्सव पर विशेष संसदीय ध्यान का हिस्सा हैं।

16 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया बैन, पीएम ने कहा- बच्चों को मिलेगा 'बचपन

कैनबरा एजेंसी।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर दुनिया का पहला बैन यह सुनिश्चित करेगा कि बच्चों को उनका बचपन मिले। अल्बनीज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के राज्यों और स्थानीय नेताओं को सोशल मीडिया बैन पर उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जो बुधवार से लागू होगा। उन्होंने यह भी माना कि इस सुधार के लिए शॉर्ट टर्म में कुछ एडजस्टमेंट की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, यह वह सांस्कृतिक बदलाव है जिसकी ऑस्ट्रेलिया को माता-पिता को ज्यादा मानसिक शांति देने और यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरत है कि ऑस्ट्रेलियाई बच्चों का बचपन सुरक्षित रहे। नवंबर 2024 में फेडरल पार्लियामेंट में पास हुए कानूनों के तहत, कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए 'उचित कदम' उठाने होंगे। सरकार का कहना है कि इससे सोशल मीडिया के नेगेटिव असर को कम किया जा सकेगा। यह युवाओं को स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने के लिए बढ़ावा देते हैं। साथ ही ऐसा कंटेंट भी दिखाते हैं जो उनकी हेल्थ और विकास को नुकसान पहुंचा सकता है। 2025 की शुरुआत में सरकार द्वारा करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 10-15 साल के 96 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे, और उनमें से 10 में से सात हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आए थे। इसमें महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसक सामग्री के साथ-साथ खाने की बीमारियों और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी शामिल था।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत पिपरिया को साढ़े 5 करोड़ ०रुपए के निर्माण कार्यों की दी सौगात

उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

कवधा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज नगर पंचायत पिपरिया को विकास की नई दिशा देते हुए कुल साढ़े 5 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों की सौगात दी। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, पिपरिया परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना हमारी प्राथमिकता है। शिक्षा, बुनियादी ढांचा और सामुदायिक विकास तीनों को गति देने के लिए ये कार्य मील का पत्थर साबित होंगे। इन परियोजनाओं के साथ पिपरिया में शिक्षा, सार्वजनिक सुविधाओं और नगरीय विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। यह सौगात पिपरिया के आने वाले वर्षों को नई रफ्तार देने वाली साबित होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पंचायत पिपरिया अध्यक्ष घुरवाराम साहू जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर वीरेंद्र साहू,

मुकेश अग्रवाल, निर्मल द्विवेदी, पार्षद कमल कांत नाविक, सोम पटेल सहित जनप्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पिपरिया में साढ़े 5 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री शर्मा ने पिपरिया में साढ़े 5 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने 1 करोड़ 60 लाख 92 हजार रुपए की लागत से पीएम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, 14 लाख 83 हजार रुपए की लागत से सामुदायिक भवन, 10 लाख रुपए की लागत से जायसवाल सामुदायिक भवन, 3 करोड़ 31 लाख 90 हजार रुपए की लागत से विभिन्न स्थानों में चौरिया, घड़ी व अन्य चौक निर्माण-सौंदर्यीकरण, हाईमास्ट लाईट, आरसीसी नाली, सीसी रोड, बाउंड्री वाल, व्यायामशाला, सामुदायिक भवन एवं पाथवे निर्माण, 19 लाख रुपए की लागत से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में रासायनिक, प्री-विज्ञान व भौतिक प्रयोगशाला और 20 लाख रुपए की लागत से नवीन खाद्य गोदाम निर्माण का भूमिपूजन किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह सभी परियोजनाएँ पिपरिया को आधुनिक शिक्षा, बेहतर बुनियादी सुविधाओं और सुदृढ़ नगरीय विकास की दिशा में नई गति देंगी।

सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कर रही निरंतर कार्य उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिपरिया में साढ़े 5 करोड़ रुपए की बड़ी राशि से एक साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिपरिया अस्पताल का उन्नयन हो चुका है, वहीं सीएचसी निर्माण के लिए स्वीकृति जारी कर दी गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु एंबुलेंस की सुविधा प्रदान की गई है तथा अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन की शुरुआत भी की गई है।

न्यायधानी में शिक्षा का महोत्सव उल्लास नवभारत महापरीक्षा में असाक्षरों की ऐतिहासिक भागीदारी

बिलासपुर । जिले में आयोजित उल्लास नवभारत महापरीक्षा में जिले के असाक्षर लोगों ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। इस आकलन परीक्षा में 90 प्रतिशत असाक्षर शिक्षार्थियों ने भाग लिया। कई परीक्षा केंद्रों पर सास-बहू की जोड़ी, बुजुर्ग दंपत्ति और मेहनतकश ग्रामीण एक साथ परीक्षा देते हुए दिखाई दिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले भर के असाक्षरों को नेवता पाती भेजकर इस महापरीक्षा में शामिल होने का आमंत्रण दिया था। इसके बाद स्वयंसेवकों ने सभी शिक्षार्थियों को 200 घंटे का मुफ्त अध्ययन कराया, जिसमें प्रवेशिका के सातों भाग शामिल थे। पढ़ने-लिखने और संख्यात्मक ज्ञान का आकलन एफएलएनएटी परीक्षा के तहत किया गया। परीक्षा के दिन असाक्षर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपने दैनिक काम छोड़कर केंद्रों पर पहुंचे, जो उनकी शिक्षा के प्रति गहरी इच्छा को दर्शाता है। केंद्रीय जेल बिलासपुर में भी 100 असाक्षर बंदियों-महिला और पुरुष-ने पढ़ाई पूरी करने के बाद परीक्षा में हिस्सा लिया। इन्हें जेल के ही शिक्षित बंदियों ने प्रशिक्षण दिया। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे ने टीम के साथ जेल केंद्र का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ में विशेष प्रावधान के तहत, 10 असाक्षरों को पढ़ाने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड में 10 बोनस अंक मिलेंगे, जिससे मिशन को और गति मिलने की उम्मीद है। परीक्षा को शांतिपूर्वक संपन्न करने शिक्षा विभाग ने अलग से निरीक्षण दल नियुक्त किया था। 14 साल पराने आंकड़ोंछत्तीसगढ़ में विशेष प्रावधान के तहत, 10 असाक्षरों को पढ़ाने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड में 10 बोनस अंक मिलेंगे, जिससे मिशन को और गति मिलने की उम्मीद है। परीक्षा को शांतिपूर्वक संपन्न करने शिक्षा विभाग ने अलग से ऑब्जर्वर और निरीक्षण दल नियुक्त किया था। 14 साल पुराने आंकड़ों के अनुसार बिलासपुर की साक्षरता दर 74.76त्न है। शेष लोगों को साक्षर बनाने के लिए केंद्र सरकार 2030 तक सर्वसाक्षर भारत का लक्ष्य लेकर काम कर रही है। बिलासपुर जिले के चारों विकासखंडों-बिल्हा (52 केंद्र), मस्तूरी (56), तखतपुर (63) और कोटा (322)-मिलाकर कुल 493 परीक्षा केंद्र बनाए गए।

उतई के पुरई ग्राम में युवती का 90प्रतिशत जला शव बरामद, पुलिस जाँच में जुटी

दुर्ग/भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुरई में नहर किनारे एक युवती का जला हुआ शव मिलने से क्षेत्र में गहन सनसनी फैल गई है। यह चौंकाने वाली घटना देर रात की बताई जा रही है, जहाँ किसी अज्ञात व्यक्ति ने क्रूरता की हद पार करते हुए इस वारदात को अंजाम दिया है। घटनास्थल पर पाया गया शव लगभग 90 प्रतिशत तक जला हुआ है। पुलिस को संदेह है कि युवती की पहले हत्या की गई और फिर पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को पैरा (पुआल) या किसी अन्य ज्वलनशील सामग्री का उपयोग कर जला दिया गया। शव की स्थिति इतनी भयावह है कि मृतका की शिनाख्त करना बेहद मुश्किल हो गया है।

लक्ष्य को पूरा करने बैंकर्स और वेंडर्स अच्छा समन्वय से काम करें : कलेक्टर डॉ. कन्नौजे

वेंडर्स अधिक संख्या में हितग्राहियों को पीएम सूर्य घर योजना का लाभ दिलाएं

0कलेक्टर ने बैंकर्स को हितग्राहियों के दस्तावेजों की कमी को चेकलिस्ट 0में देने और देरी नहीं करने के निर्देश दिए

सारंगढ़। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैंकर्स और वेंडर्स के साथ संयुक्त बैठक किया। उन्होंने बैंकर्स और वेंडर्स को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ दिलाएं। साथ ही लक्ष्य को पूरा करने में बैंकर्स और वेंडर्स आपस में अच्छा समन्वय से काम करें। बैंकर्स हितग्राहियों के कमी को एक चेकलिस्ट में कमी को बताएं, बार-बार कमी नहीं निकालें। कलेक्टर ने सभी वेंडर्स के लक्ष्य की प्रगति का क्रमवार जानकारी लिए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रकाश सर्वे, कार्यपालन अभियंता विद्युत प्रफुल्लचंद महानंदा, डिप्टी कलेक्टर मधु गवेल, सीईओ राधेश्याम नायक, अजय पटेल सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को एक लाख 8 हजार रूपये का अनुदान सीधे उनके बैंक खाता में भुगतान किया जाता है। इस योजना से बिजली बिल कम और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। 1 किलोवाट रूफ टॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 60 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30 हजार का अनुदान और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 15 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 15 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा। इसी प्रकार 2 किलोवाट रूफटॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 1 लाख 20 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 60 हजार का अनुदान और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 30 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 30 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा। 3 किलोवाट रूफ टॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर 1 लाख 80 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 30 हजार रूपए का अनुदान मिलेगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 72 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा।

अवैध रूप से संचित धान पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

जशपुरनगर । जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान भंडारण, अवैध परिवहन तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राजस्व एवं खाद्य विभाग ने तहसील कांसाबेल क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 1,480 क्विंटल (3,700 बोरी) अवैध धान जप्त कर प्रशासनिक कब्जे में लिया गया।

पहली कार्रवाई में ग्राम नारियलडांड में लालचंद के मकान में पंकज पैकरा द्वारा अवैध रूप से संचित 300 बोरी (120 क्विंटल) धान जप्त किया गया। धान की गिनती एवं सत्यापन के बाद इसे नियमानुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति चेटबा के सुपुर्द किया गया। दूसरी कार्रवाई में ग्राम चेटबा में राजस्व विभाग की टीम ने शेष कुमार साहू के फार्म हाउस में अवैध रूप से रखे गए 400 बोरी (160 क्विंटल) धान को जप्त किया। उक्त धान को भी नियमों के अनुसार सहकारी समिति चेटबा के सुपुर्द किया गया। तीसरी और सबसे बड़ी कार्रवाई में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम चेटबा में ही कृषक लकेश्वर साय के घर पर दबिश दी, जहाँ से लगभग 1000 बोरी (400 क्विंटल) अवैध धान बरामद किया गया। मौके पर धान की गिनती कर पंचनामा तैयार किया गया तथा संपूर्ण धान को सहकारी समिति चेटबा को सुपुर्द कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पारदर्शिता एवं किसान हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी अभियान चला रहा है। धान का अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए राजस्व, खाद्य, पुलिस, सहकारिता और मार्कफेड विभाग की संयुक्त टीमें मैदानी स्तर पर सघन निरीक्षण कर रही हैं।

वंदे मातरम् राष्ट्र की आत्मा का गीत : संतोष पांडेय

लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर हुई विशेष चर्चा में बोले सांसद

कवर्धा (संवाददाता)।

क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय ने भारतीय लोकतंत्र के मंदिर लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर हुई विशेष चर्चा में मुखरता के साथ अपने विचार रखे।

सांसद पांडेय ने लोकसभा में अपनी बात रखते हुए कहा कि वंदे मातरम् कोई धार्मिक गीत नहीं, किसी व्यक्ति या दल या राज्य का गीत नहीं, वंदे मातरम् राष्ट्र की आत्मा का गीत है, भारत के गौरव का गीत है, हर भारतीय के आशाओं-आकांक्षाओं का सुरमयी गीत है। इस गीत ने लाखों भारतीयों के भीतर स्वतंत्रता का स्वप्न देखने का साहस जगाया और असंख्य वीरों ने यातनाओं और फांसी के तख्तों पर चढ़ते हुए भी ÷वन्दे मातरम÷ का उद्घोष कर मातृभूमि के चरणों में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत ञ्च2047 की कल्पना बिना वंदे मातरम् गीत के पूरा नहीं हो सकता। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह उत्सव पूरा देश मना रहा है। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ÷इण्डिया इस इंदिरा, इंदिरा इस इंडिया÷ का नारा लगाने वाले कांग्रेस पार्टी के नेताओं की मातृभूमि के प्रति क्या भावना होगी यह पूरा देश जानता है। जिसे हम मातृभूमि कहते हैं वह कांग्रेस के लिए सिर्फ जमीन टुकड़ा है, पंडित नेहरु ने अक्साई चिन में कहा था ÷यह एक बंजर जमीन हैं जहाँ घास तक नहीं उगती। उन्होंने कहा कि मात्रभूमि और मातृभूमि में अंतर है, हमारे लिए यह मात्रभूमि नहीं बल्कि, हमारी मातृभूमि भारत माता है।

छत्तीसगढ़ में 9-10 दिसंबर को अहम बैठक, बजट की समीक्षा और कैबिनेट

13 दिसंबर को आएंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

रायपुर । छत्तीसगढ़ में 9 और 10 दिसंबर को अहम बैठक होने वाली हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे।

प्रदेश के मुख्य सचिव विकास शील 9 दिसंबर को महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। वहीं, 10 दिसंबर को सीएम विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक होगी। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। साथ ही 13 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। वह बस्तर ओलंपिक के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।छत्तीसगढ़ के प्रमुख सचिव विकास शील 9 दिसंबर को अहम बैठक करेंगे। इसमें 2025-26 बजट के नवीन मद प्रस्तावों की समीक्षा होगी। विभागों के भेजे प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। बैठक में प्रमुख योजनाओं की जमीनी हकीकत पर सीएस विकास शील चर्चा करेंगे। साथ ही साल 2024 से अब तक हुए कार्यों की वित्तीय स्थिति का ब्यौरा लेंगे। इसके अलावा बैठक में विभागीय कार्यों की आगामी कार्य योजना भी तय होगी।10 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक होगी। सुबह 11 बजे से मंत्रालय महानदी भवन में होगी। बैठक में विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आने वाले विधेयकों/संशोधन विधेयकों के प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। इसके अलावा धान खरीदी और जमीन गाइडलाइन दर की समीक्षा होना भी संभव है। कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है।छत्तीसगढ़ में साय सरकार के दो साल पूरे होने और बस्तर ओलंपिक कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आ रहे हैं। अमित शाह 13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे। वह जगदलपुर में आयोजित बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होंगे। समापन समारोह में जिला स्तर प्रतियोगिता के 3 हजार विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। बता दें कि इस ओलंपिक में होने वाली प्रतियोगिताओं में करीब 500 नक्सल पीड़ित और पुनर्वासित नक्सली भी हिस्सा लेंगे।

विधायक उसेंडी ने चौड़ग में 07 करोड़ 18 लाख के सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

कोंडागांव संवाददाता

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने शनिवार को ग्राम चौड़ग में 07 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत के चौड़ग से ग्राम चलका तक कुल 06 किलो मीटर लंबाई के सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। विधायक उसेंडी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में पक्की सड़क मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास कार्यों में गति आएगी।

विधायक उसेंडी द्वारा कार्यक्रम में दिव्यागजनों को 01 व्हील चेयर, 01 बैसाखी और 03 श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। इस दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव, प्रौद्योगिकी विभाग, श्रम विभाग, सी ए टी भारत गैस एजेंसी कोण्डागांव, जिला स्वास्थ्य समिति कोण्डागांव और वन

विभाग द्वारा शिविर लगाई गई। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जितेन्द्र सुराना, जनपद सदस्य मानबती कोर्राम, संतोष पात्रे, अश्वनी पाण्डे, आसमन नेताम, रिषभ देवांगन, प्रदीप नाग, विकास दुआ, नागेश देवांगन, शीतल पटेल, जैनेन्द्र ठाकुर, पार्षद सोनामणि पोयाम, संतोष सिंह, लक्ष्मी ध्रुव, सुष्मा खोब्रागड़े, डोके राम नेताम, मंगलू राम नेताम, चुन्नीबाई शोरी, रूपती कोर्राम, मंगनी बाई, नेताम, दयाबती मरावी, रामलाल सलाम, आसमन नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जोनल स्टेशन की सेकंड एंट्री में भारी अव्यवस्था

हालात पर समय रहते ध्यान न दिया गया तो गजरा चौक स्टेशन का हिस्सा नहीं, बल्कि अवैध बाजार और गुंडागर्दी का अड्डा बनकर रह जाएगा।

बिलासपुर (आरएनएस) रेलवे स्टेशन की सेकंड एंट्री इन दिनों स्टेशन कम और अघोषित ऑटो स्टैंड ज्यादा नजर आ रही है। यहां न नियमों का पालन हो रहा है, न ही रेलवे प्रशासन की मौजूदगी दिखती है। यही वजह है कि पूरे इलाके में ट्रैफिक जाम, अवैध कब्जे और बदमाशी जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। गजरा चौक और रनिंग रूम के पास रोज़ाना ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का कब्जा इतना ज्यादा रहता है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क किनारे ठेले और खोमचे लग जाने से स्टेशन की पूरी सड़क बाजार में बदल चुकी है। प्रशासन की चुप्पी ने कब्जाधारियों के हौसले इतने बढ़ा दिए हैं कि वे अब यात्रियों से बदसलूकी और धमकी तक देने लगे हैं। ताजा मामला सिरगिट्टी ब्लैक डायमंड इलाके से आए यात्रियों का है। एक ई-रिक्शा चालक चार लोगों को स्टेशन छोड़ने के नाम पर लेकर आया, लेकिन स्टेशन के बजाय उन्हें गजरा चौक पर उतार दिया। यात्रियों ने विरोध जताया तो चालक भड़क गया और विवाद मारपीट तक पहुंच गया। इस दौरान न RPF दिखाई दी और न रेलवे का कोई अधिकारी। रेलवे पुनर्विकास पर करोड़ों खर्च हो रहे हैं, लेकिन सेकेंड एंट्री की सड़क पर निर्माण सामग्री ऐसे फैली पड़ी है जैसे इसकी जिम्मेदारी किसी की नहीं। अवैध कब्जे लगातार बढ़ रहे हैं और यात्री खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का सवाल है-जब स्टेशन के ही सामने यह हाल है, तो व्यवस्था और सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? हालात पर समय रहते ध्यान न दिया गया तो गजरा चौक स्टेशन का हिस्सा नहीं, बल्कि अवैध बाजार और गुंडागर्दी का अड्डा बनकर रह जाएगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों ने महिला सशक्तिकरण को दी नई दिशा

दो वर्षों में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को लेकर किए गए कई महावपूर्ण पहल

महतारी वंदन से कवर्धा विधानसभा की माताओं बहनों को मिले 251.63 करोड़

निःशुल्क सोनोग्राफी जांच शिविर से वनांचल में पहुंची स्वास्थ्य सुविधाएं, 1 हजार से अधिक गर्भवती महिलाएं लाभान्वित

कवर्धा, 08 दिसंबर (आरएनएस)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा के महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर किए गए सतत प्रयासों ने कवर्धा में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा प्रदान की है। महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना, उनके शिक्षा और रोजगार के लिए की गई पहल के साथ महतारी वंदन योजन ने महिलाओं को सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की पहचान बन चुकी महतारी वंदन योजना से कवर्धा विधानसभा की 1 लाख 30 हजार से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें प्रति माह 1 हजार रुपये के मान से अब तक 251 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। योजना की 21 किश्तों की राशि खाते में दी जा चुकी हैं, और कुछ दिन पहले 22 वीं किश्त भी जारी कर दी गई है। कई महिलाएं इस राशि का उपयोग अपने बच्चों के बेहतर पढ़ाई लिखाई में कर रही हैं, तो कई ने घर के अन्य खर्चों को वहन करने में किया।

409 कन्याओं का करवाया गया सामूहिक विवाह

विजय शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कवर्धा विधानसभा के 409 कन्याओं का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न कराया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री स्वयं बाराती बनकर शामिल हुए और नवयुगल दंपत्तियों को शुभाशीष प्रदान किया।

गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी जांच शिविर, 1 हजार से अधिक लाभान्वित

सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा शुरू की गई है, जिससे अब तक 1000 से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। समय पर होने वाली जांच से गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की ठीक से मॉनिटरिंग संभव हो रही है। किसी प्रकार के जटिल और गंभीर मामलों में समय पर इलाज संभव हो सकता है। यह जांच शिविर जच्चा और बच्चा दोनों की सेहत की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

स्व-रोजगार के लिए 100 से अधिक सिलाई मशीन वितरण

महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कवर्धा की 100 से अधिक महिलाओं को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सिलाई मशीन वितरित किया है। ताकि वे अपना खुद का काम शुरू कर सकें। यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दृष्टि से अभिनव प्रयास है।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें सामाजिक-आर्थिक विकासमूलक योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। कवर्धा विधानसभा में 6,158 स्व-सहायता समूह बनाए जा चुके हैं। आजीविका से जुड़कर यहां की 13,924 महिलाएँ अब लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले को महतारी सदन योजना के अंतर्गत 19 महतारी सदनों की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। यह योजना राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण के प्रति दूरदर्शी सोच और प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरी है।

छत्तीसगढ़ के 33 ज़िलों में 'विश्वशांति विवि' का जन-जागरण अभियान जारी

जांजगीर। 'विश्वशांति विश्वविद्यालय' एवं न्यूज़ एंड मीडिया कंटेंट सेल की टीम के सदस्य ने बताया गया है कि संस्था का जन- जागरण एवं जन-सेवा अभियान देश के अनेक राज्यों में प्रभावी रूप से चल रहा है। पर्यावरण, स्वच्छता, मतदाता जागरूकता, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा और समाज सुधार जैसे मुद्दों पर संस्था द्वारा वर्षों से लगातार कार्य किया जा रहा है। 2018 से निरंतर सक्रिय अभियान विश्वशांति विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 से जन -जागरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में संस्था के कार्यकर्ताओं ने देश के 16 राज्यों में अभियान के तहत 04 लाख से अधिक किलोमीटर की यात्रा कर 50 से अधिक प्रमुख शहरों, गाँवों और कस्बों का भ्रमण किया। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों से लेकर बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए। 600 से ज्यादा जनसंपर्क सभाएँ आयोजित की गईं। लाखों लोगों को स्वच्छता, नशा त्याग, सड़क सुरक्षा, मतदाता जागरूकता और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में पदयात्रा संस्था ने छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 33 जिलों में पदयात्रा करते हुए स्वच्छता और सामाजिक सुधार के संदेश आम जनता तक पहुँचाए। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस दौरान 36 स्थानों पर यात्रियों एवं साधकों को धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग प्राप्त हुआ। संस्थापक की प्रेरक कहानी अभियान के प्रमुख प्रेरक एवं विश्वशांति विश्वविद्यालय के संस्थापक श्री लाल जी वर्ष 1980 से सामाजिक सेवा में सक्रिय हैं। उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर निवासी श्री लाल जी का परिवार खेती-बाड़ी से जुड़ा रहा है। गाँव में संकट के समय परिवार के कठिन संघर्ष और जनसेवा की प्रेरणा ने उन्हें समाज सेवा के मार्ग पर अग्रसर किया। वर्ष 2001 में उन्होंने अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ की, जो अब तक जारी है।

गांजा तस्करी मामले में फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस अब उसके बैंक खातों, सम्पत्ति और अन्य नेटवर्क की भी जांच कर रही है। संभावना है कि आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं

दुर्ग। जिले की उतई थाना पुलिस ने रविवार को एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी सत्येंद्र कुमार उर्फ संजू बिहारी को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपने घर पर छुपकर रह रहा था।

बता दें कि 16-17 अक्टूबर को पुलिस ने अवैध रूप से गांजा तस्करी के मामले में मुख्य आरोपी सत्येंद्र कुमार के साथी सिद्धार्थ मेश्राम, यनशु वर्मा, विजयकांत वर्मा और संजीव वर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था वहीं मुख्य सप्लायर संजू बिहारी फरार हो गया था। जिसकी पुलिस लगातार खोजबीन कर रही थी। इस दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी सत्येंद्र कुमार उर्फ संजू अपने परसदा स्थित घर में छुपकर रहा रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने उसके घर पर छापामार कार्यवाही करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे मेडिकल जांच के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। उतई थाना पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना अभी जारी है और तस्करी से जुड़े अन्य बिंदुओं पर गहराई से जांच की जा रही है।

बताया जाता है कि आरोपी सत्येंद्र कुमार उर्फ संजू मूल रूप से ग्राम मूर्तिपुर टिकैत का रहने वाला था और वर्तमान में ग्राम परसदा में रह रहा था। संजू

ही ओडिशा से बड़े पैमाने पर गांजा लाकर सप्लाई करताथा तथा उन पैसों से लग्जरी लाइफ भी जी रहा था तथा पुलिस की निगरानी से बचने के लिए बार-बार मोबाइल बदलता था और कई बार ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच मूव करता रहता था। तस्करी का बड़ा नेटवर्क संचालित करता था अधिकारियों के अनुसार, संजू बिहारी का नेटवर्क काफी विस्तृत था। वह गांजा तस्करी में शामिल कई छोटे-बड़े सप्लायरों और खरीदारों से जुड़ा था। पुलिस अब उसके बैंक खातों, सम्पत्ति और अन्य नेटवर्क की भी जांच कर रही है। संभावना है कि आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

धमतरी में बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता की नई दिशा

जिला प्रशासन और जगती फाउंडेशन की संयुक्त पहल

0 वनांचल क्षेत्र नगरी और सिंगपुर की महिलाओं और बालिकाओं को स्वास्थ्य लाभ देने एक दिवसीय हेल्थ कैंप किया जाएगा आयोजित : कलेक्टर

धमतरी, संवाददाता जिला प्रशासन धमतरी और जगती फ उंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शिव सिंह वर्मा आदर्श शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज बालिकाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण तथा महिलाओं से जुड़े गंभीर स्वास्थ्य मुद्दों-जैसे हृदय रोग, सर्वाइकल कैंसर और स्तन कैंसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन और जगती फाउन्डेशन मिलकर जिले में महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पर्यवरण पर काम करेंगे। कलेक्टर ने बताया कि बालिकाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिले के चार स्कूलों का चयन किया गया है, जहाँ जगती फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़े विशेष कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि जगती फाउन्डेशन आधुनिक समय की मांग अनुरूप आवश्यक गतिविधियों को जगती फाउन्डेशन के जरिये और अधिक बेहतर ढंग से पहुंचाया जायेगा। उन्होंने कहा कि वनांचल क्षेत्रों नगरी और सिंगपुर में भी एक दिवसीय हेल्थ कैंप आयोजित किया जाएगा, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं और बालिकाओं को भी आवश्यक स्वास्थ्य लाभ मिल सके। इस अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल सैनिटरी पैडों का वितरणः स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए फाउंडेशन ने 1,100 बांस आधारित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड वितरित किए। यह पहल मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के साथ ही प्लास्टिक-मुक्त और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

विशेष सत्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिका ढिल्लों ने स्तन स्व-परीक्षण, सर्वाइकल कैंसर की नियमित स्क्रीनिंग, एचपीवी वैक्सीन की उपयोगिता और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। यह संवादात्मक सत्र बालिकाओं में झिझक तोड़ते हुए उन्हें प्रश्न पूछने और खुलकर चर्चा करने के लिए प्रेरित करता रहा। उन्होंने बालिकाओं को उम्र के साथ होने वाले शारीरिक एवं जनन स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।

साथ ही किशोरियों को स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लक्षण, रोकथाम, एवं नियमित जांच के महत्व पर सरल और वैज्ञानिक जानकारी दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में बड़ा कदमः जगती फाउंडेशन ने केयर होस्पिटल से रायपुर के सुकुमार दाश, मार्केटिंग विभागाध्यक्ष, केयर हॉस्पिटल्स डॉ. गिरीश अग्रवाल, वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट ने दम, टीबी, फेफड़ों का संक्रमण, ब्रोंकाइटिस, निमोनिया और साँस लेने में परेशानी के संबंध में और सावधानी बरतने की जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में नया स्वास्थ्य मॉडल स्थापित करने की दिशा में जगती फ उंडेशन की संस्थापक दुर्गा कल्याणी, सह-संस्थापक अबू बेकर और परियोजना समन्वयक श्रावणी ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को नई ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से धमतरी में फाउंडेशन की औपचारिक शुरुआत को सफल बनाया।

स्मृति पुस्तकालय योजना से शिक्षा को मिला नया संबल

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना शिक्षा के क्षेत्र में नया संबल प्रदान कर रही है। इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक शाला सखाराम दुबे की प्रधान पाठिका ममता अहार ने 20 पुस्तक दान की जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवनी, नोवेल, सुभद्राक्ष कुमारी चौहान द्वारा लिखित पुस्तक शामिल है एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांकर (धरसीवां) की शिक्षिका चंचल विजय शुक्ला ने चार स्वरचित पुस्तक दान की जिसका नाम नारी अस्मिता की आवाज, पहली महिला, भारत के लाल व कवियों पर कविता सहित अन्य पुस्तकें भी दान की गईं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने इन पुस्तकों को ग्रहण करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए दानदाता का आभार व्यक्त किया। जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत अब तक लगभग 6000 से अधिक पुस्तकें दान की जा चुकी हैं।

पीएम सूर्यघर योजना : सौर ऊर्जा से अनिल के घर में हुआ उजाला

प्रकृति संरक्षण और आर्थिक राहत का नया जरिया बनी सूर्यघर योजना

चार महीने के भीतर उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी मिल गई है

रायपुर । केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना आज आम जनजीवन के लिए न सिर्फआर्थिक राहत का माध्यम बन रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के प्रचार-प्रसार में भी अहम भूमिका निभा रही है। रायपुर जिले के अग्रोहा कॉलोनी निवासी श्रीमती रिचा पांडेय की कहानी प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना की सफलता को बयां करती है। श्रीमती पांडेय ने अगस्त 2025 में अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 और राज्य सरकार से 30,000 रुपए की अनुदान राशि प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि योजना की जानकारी उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। इसके बाद

उन्होंने स्वयं ऑनलाइन आवेदन किया तथा बिना किसी भागदौड़ और परेशानी के छत पर पैनल लग गया। उन्होंने बताया कि पहले जहाँ हर महीने 5000-6000 रूपये तक का बिजली बिल आता था, वहीं अब पिछले तीन महीनों में उनका बिजली बिल महज 1500 से 2000 रुपए आता है। यह योजना सिर्फपैसों की बचत नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। अब मैं अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहा हूँ। रिचा पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना सचमुच घर-घर उजाला ला रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट pmsuryaghar.gov.in या पीएम सूर्यघर मोबाईल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा।

नक्सलवाद उन्मूलन में छत्तीसगढ़ ने रचा नया इतिहास : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजनांदगांव में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष राज्य के इतिहास में निर्णायक मोड़ साबित हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य– 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन–की दिशा में छत्तीसगढ़ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और यह अब अंतिम सांसें गिन रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सुरक्षा बलों ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 500 से अधिक माओवादी मुठभेड़ों में न्यूट्रलाइज हुए, जबकि 4,000 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी दी, जो नक्सलवाद के कमजोर पड़ने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम से

बस्तर में दशकों से जमी हिंसा के विरुद्ध निर्णायक बढ़त मिली है। उन्होंने राज्य सरकार की नई पुनर्वास नीति की भी विस्तृत जानकारी दी। इसके तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति, 3 वर्षों तक 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण और रोजगार-संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोलीबारी की भाषा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ना अब बस्तर में हकीकत बन रहा है। पंडुम कैफ़े जैसे नवाचार आज सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में तेजी से सुरक्षा कैंप खुलने और प्रशासन की पहुंच बढ़ने के साथ ही 400 से अधिक गाँव पुनः आबाद हो चुके हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से इन क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएँ और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाएँ पहुँच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा– जहाँ कभी गोलीबारी की आवाज आती थी, आज वहाँ स्कूल की घंटियाँ बज रही हैं। कई गाँवों में वर्षों बाद ध्वजारोहण हुआ, चुनाव में लोग निर्भीक होकर भाग ले रहे हैं और राशन-कार्ड से लेकर मोबाइल नेटवर्क तक की सुविधाएँ अब सुगमता से उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर को भविष्य के विकास का बड़ा केंद्र बताते हुए कहा कि कृषि, सिंचाई, वन-उत्पाद, पशुपालन और छोटे उद्योगों के लिए अभूतपूर्व संभावनाएँ बन रही हैं। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति (2024-30) में नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। वनोपज आधारित वैल्यू एडिशन, प्रसंस्करण और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देकर स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्थायी आय से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से बस्तर अब वैश्विक नक्शे पर तेजी से पहचान बना रहा है। कुटुमसर गुफा, झरने, अबूझमाड़ के जंगल और जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर विश्व आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। होम-स्टे मॉडल तेजी से फल-फूल रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद उन्मूलन की यह ऐतिहासिक प्रगति राज्य के शहीद जवानों, सुरक्षा बलों के अथक परिश्रम और जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप बस्तर नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में शामिल होगा।

शिशु मंदिर के मेधावी युवाओं ने भरी प्रशासनिक सेवा की उड़ान

रायपुर संवाददाता । प्रदेश के विभिन्न शिशु मंदिर विद्यालयों में अध्ययन कर पीएससी 2025 में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों ने आज शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से उनके रायपुर स्थित शासकीय निवास में सौजन्य भेंट की। मंत्री यादव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा प्रशासनिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु प्रेरित किया।नवा रायपुर स्थित आवास में आयोजित इस मुलाकात के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिशु मंदिर संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ संस्कार, राष्ट्रप्रेम और अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफलता ही नहीं दिलाती, बल्कि उन्हें भविष्य में सशक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाने योग्य भी बनाती है।मंत्री यादव ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराने निरंतर प्रयासरत

संपादकीय

एयरपोर्ट संकट का अंदाजा क्यों नहीं हुआ?

देश भर में हवाई सफर करने वाले यात्रियों में हाहाकार मचा हुआ है। इंडिगो ने दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरु और कई एयरपोर्ट से अपनी 500 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी। शुक्रवार को एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई थी। हजारों यात्री तमाम बड़े एयरपोर्ट पर परेशान नजर आये। दिल्ली और मुंबई से इंडिगो ने अपनी सारी उड़ाने रद्द कर दी। हर हवाई अड्डे पर अफ्रातफरी और कुप्रबंध दिखा। इस संकट से यात्री बेहाल हैं। सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि उनकी बातें सुनने वाला कोई नहीं है। एक नई आफ्त भी आ गई। इंडिगो की उड़ाने रद्द होने का असर ये हुआ कि विमान किराये आसमान छूने लगे। दूसरी एयरलाइंस ने टिकटों के दाम बढ़ा दिए। दिल्ली से चेन्नई का किराया 81 हजार तक पहुंच गया।

छोटी बात पर,फटकार अच्छी नहीं होती

छोटी बात पर,
फटकार अच्छी नहीं होती, अफ्वाहों
की दीवार पक्की नहीं होती।

घर है तो दीवारें लाज़मी होगी ही,
दिलों में दीवार अच्छी नहीं होती।।

फरेबी कब किसी का सगा हुआ है,
उसकी ललकार सच्ची नहीं होती।

सादा, सच्चे,मासूम है जो लोग।
उनसे तकरार अच्छी नहीं होती।।

एक बार रूठे को सलीके से
मनाइये,
सच्चे दिलों में दरार अच्छी नहीं
होती।।

राम ने भी रावण का वध किया,
हर नारी पर टपकती लार अच्छी
नहीं होती.

नन्हों को पंख से उड़ने दो आकाश
में,
नसीहत की बौछार अच्छी नही होती,

संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

गोवा हादसा : झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-÷दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा÷, ÷उच्च स्तरीय जांच की जाएगी÷, ÷मुआवजा दिया जाएगा÷, लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है।

हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरुआत बनाएं।

यह निजी विचार है।

भारत में बढ़ते प्रदूषण का कारण क्या वास्तव में हमारा गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है?

लेखक:प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

पर्यावरण प्रदूषण आज मानवता के समक्ष सर्वाधिक भयावह चुनौतियों में से एक और इसका प्रमुख कारण है मानव जनित प्रदूषण।भारत में प्रदूषण की समस्या अक्सर उद्योगों, वाहनों, बढ़ते शहरी विस्तार और सरकारी तंत्र की कमियों से जोड़ी जाती है, परंतु सच्चाई यह है कि प्रदूषण को बढ़ाने में नागरिकों के गैरजिम्मेदाराना कृत्य भी बड़े और निर्णायक कारक हैं।एक आंकड़े के अनुसार वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 76 प्रतिशत उर्जा उत्पादन और उपभोग से जुड़ा हुआ है,जो मानव की असंयत उर्जा खपत की प्रवृत्ति को दर्शाता है।

वास्तव में देखा जाए तो पर्यावरण संकट किसी एक संस्था, नीति या व्यवस्था का परिणाम नहीं, बल्कि सामूहिक व्यवहार की गलत दिशा का प्रतिफल है। हमारी छोटी-छोटी लापरवाहियाँ मिलकर एक बड़े राष्ट्रीय संकट में बदल जाती हैं।

सबसे सामान्य और हानिकारक व्यवहार है कचरे को अनियमित रूप से इधर- उधर फेंकने की प्रवृत्ति। अधिकांश शहरों में सड़कें, ग्रीन बेल्ट, सार्वजनिक स्थल, नाले, नदी, तालाब किनारे आदि सभी जगह धर, दुकान , फैक्टरी आदि से निकले कचरा का ढेर दिखना इस बात का प्रमाण है कि हमने स्वच्छता को आदत नहीं, केवल अवसर भर समझा है। कई लोग कचरे को खुले में जला देते हैं, जिससे उसके जहरीले तत्व वायु में फैलकर मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुँचाते हैं। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बावजूद इसका निरंतर उपयोग नागरिक जिम्मेदारी की कमी को दर्शाता है।

वाहनों का अनियंत्रित उपयोग, साझा न करने की प्रवृत्ति तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट को कम महत्व देने की सोच ने भी प्रदूषण बढ़ाने का काम किया है। छोटी दूरी पर भी निजी वाहन का उपयोग, समय पर प्रदूषण जांच न कराना, सर्विसिंग की अनदेखी करना और पुराने धुआँ छोड़ने वाले वाहनों का उपयोग तथा ई-वाहनों को कम महत्व देने का ही परिणाम है अवांछित कार्बन उत्सर्जन। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कचरा, पराली और पत्ते जलाने की परंपरा अब भी जारी है, जिससे पीएम2.5 और पीएम10 जैसे सूक्ष्म कण तेजी से वातावरण में फैलते हैं।

जल प्रदूषण के लिए भी नागरिकों के कई आचरण सीधे जिम्मेदार हैं। नदियों और तालाबों में मूर्तियाँ, फूल, कपड़े और घरेलू कचरा विसर्जित करना, धार्मिक आस्था के नाम पर जलस्रोतों को कचरा-घर बनाना पर्यावरणीय संवेदनहीनता का प्रतीक है। घरों, दुकानों, उद्योगों का बिना उपचार का गंदा जल नदी,तलाब, नालों आदि में छोड़ देना अंततः जलस्रोतों को विषैला बना देता है।

ध्वनि प्रदूषण के मामले में भी नागरिकों की मनमानी किसी से छिपी नहीं है। तीव्र ध्वनि वाले डीजे, विविध अवसरों पर पटाखों का अत्यधिक उपयोग, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में लाउडस्पीकरों की ऊँची आवाज, वाहनों में अनावश्यक होर्न आदि का उपयोग सब मिलकर शोर का ऐसा वातावरण बनाते हैं जो स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कई लोग देर रात तक ध्वनि स्तर के नियमों की खुली अवहेलना भी करते हैं।

ऊर्जा और संसाधनों के दुरुपयोग में भी हमारा व्यवहार जिम्मेदार है। एसी और बिजली का अनावश्यक प्रयोग, पानी को बिना कारण बहने देना, बोरवेल का अत्यधिक दोहन और वर्षाजल-संग्रह को नजरअंदाज करना आदि भी संसाधनों पर दबाव बढ़ाते हैं। इसके साथ पेड़ों की

कटाई, हरित-आवरण की अनदेखी और रोपित वृक्षों के संरक्षण में रुचि की कमी भी कहीं न कहीं प्रदूषण को और बढ़ाती है।

ओन लाइन वस्तुओं को मंगाने की बढ़ती प्रवृत्ति,त्योहारों के दौरान प्लास्टिक सजावट, रासायनिक रंगों और पटाखों का अत्यधिक उपयोग यह दर्शाता है कि हम उत्सवों में स्वस्थ पर्यावरण को शामिल करना अब भी नहीं सीख पाए हैं। कचरा प्रबंधन नियमों, ट्रैफिक कानूनों और पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों की लगातार अवहेलना ÷नियम केवल दूसरों के लिए हैं÷ वाली मानसिकता को उजागर करती है।

सत्य यही है कि प्रदूषण केवल सरकारी असफलता का परिणाम नहीं, बल्कि हमारे गैरजिम्मेदाराना आचरण का दर्पण भी है। जब तक हम स्वयं पर्यावरणीय अनुशासन नहीं अपनाएँगे, तब तक सुधार केवल कागज़ों और घोषणाओं तक सीमित रहेगा और हम दिल्ली वासी जैसे पर्यावरण प्रदूषण को कोसते रहेंगे। क्योंकि समाधान नीति में नहीं, नागरिक के चरित्र में छिपा है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने में सरकारों को भी जिम्मेदार संस्था के रूप भूमिका निभाने की आवश्यकता है क्योंकि वहां भी हममें से ही कोई बैठा है। पर्यावरण कानूनों को बिना भेदभाव के प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन करने की जरुरत है साथ ही स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ बनाना और अपशिष्ट प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था करना , जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए नागरिकों को प्रेरित करना भी उसके प्रमुख दायित्व में से एक हैं।इतना ही नहीं पेड़-पौधों के संवर्धन-संरक्षण,जल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई और शहरी हरियाली बढ़ाने जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकारें प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी बना सकती है, बशर्ते बनाना चाहें।

मेरा ऐसा मानना है कि जब तक हर भारतीय और सरकारें स्वयं को पर्यावरण का रक्षक नहीं समझेंगे तब तक भारत में प्रदूषण संकट के बादल गहराते जाने की ही संभावना है, प्रदूषण मुक्त होना एक दिवास्वप्न जैसा है। **यह निजी विचार है।**

साहित्य सत्य की साधना, संस्कृति का शाश्वत पर्याय.

मनुष्य केवल शरीर मात्र नहीं, वह चेतना का संवाहक है, और जब यही चेतना भावनाओं की अनुभूति लेकर किसी व्यक्त रूप में शब्दों से साकार होती है, तब उसका परिवर्जित, परिष्कृत और सृजनात्मक रूप साहित्य कहलाता है। साहित्य कोई जड़ संस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत संवेदना है। जो समय, समाज, परिस्थितियों और मानवीय अनुभूति के साथ-साथ निरंतर विकसित होती रहती है। इसमें सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी। जब मनुष्य अपने अंतर की स्पंदित आत्मा को शब्दों में ढालता है, तब वह न केवल अपने युग का दस्तावेज रचता है, बल्कि आने वाले युगों तक मानवता के हृदय को आलोकित करता रहता है। उत्कृष्ट साहित्य समाज की भावनाओं का आधारस्तंभ होता है, जो मनुष्य के भीतर छिपी उस सहज वृत्ति को जाग्रत करता है, जो करुणा, प्रेम, समरसता, नैतिकता और मानवीय संवेदना से पोषित होती है। साहित्य की यह शाश्वतता उसे कालजयी बनाती है; इसी कारण कालिदास की कवित्व दृष्टि, सूरदास की भक्ति संवेदना, कबीर की निर्भीक वाणी, प्रेमचंद का यथार्थ और शेक्सपियर की मानवीय त्रासदी आज भी उतनी ही प्रासंगिक प्रतीत होती है, जितनी अपने समय में थी। उनकी कृतियाँ मात्र शब्दों का सौंदर्य नहीं, बल्कि मानव-आत्मा के संवेदनात्मक इतिहास की जीवित प्रतिलिपियाँ हैं, जो यह स्मरण कराती हैं कि युगों की दूरी होने पर भी मनुष्य की पीड़ा, आशा, संघर्ष और संवेदना की मौलिक ध्वनि नहीं बदलती, केवल उसका बाह्य रूप परिवर्तित होता है। राजनीतिक और भौगोलिक विभाजनों के बीच भी साहित्य मनुष्य को एक धरातल पर लाता है, क्योंकि शब्द का संसार सीमाओं से परे है। यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं कि ÷भाषाएँ भिन्न हो सकती हैं, पर भाव एक ही रहते हैं।÷ किसी राष्ट्र की भाषा और साहित्य उसकी सभ्यता, संस्कृति, विचार-यात्रा और मानसिक प्रगति के सूचक होते हैं। साहित्य के अध्ययन से समाज की आत्मा को जाना जा सकता है—उसके उल्लास, संघर्ष, स्वप्न, पीड़ा और परिवर्तन की दिशा को समझा जा सकता है। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य को ÷जीवन की आलोचना÷ कहा था, और यह परिभाषा आज के संदर्भ में और अधिक सार्थक प्रतीत होती है। साहित्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के नैतिक संकटों का दर्पण है, जो विसंगतियों को उजागर करता है, अन्याय पर प्रश्न उठाता है, और मनुष्य के अंतस में छिपे विवेक को जगाता है। सशक्त लेखक अपने समय की संवेदना का प्रहरी होता है। वह शब्दों के माध्यम से उस मौन को स्वर देता है, जो अक्सर व्यवस्था, भय, लोभ या मोह में दब जाता है। प्राचीन ऋषि-परंपरा से लेकर आधुनिक विचारकों तक, प्रत्येक युग का साहित्य मानवता के चरित्र का संपूर्ण चित्रण करता है। साहित्य और संस्कृति का संबंध उतना ही गहरा है जितना नदी और जल का; यदि संस्कृति मूल्य, सदाचार, परंपरा, आध्यात्मिकता और आस्था का रूप है, तो साहित्य उन मूल्यों को शब्दों की धारा में प्रवाहित करने वाला माध्यम है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी मानव चेतना को जीवित और सार्थक बनाए रखता है। जब समाज किसी मूल्य-संकट से गुजरता है, तब सृजनशील साहित्य ही उसे नयी दिशा, नयी दृष्टि और नयी ऊर्जा प्रदान करता है। वर्तमान समय में जब भौतिकता की चमक ने मानवीय संवेदना को लगभग ढँक लिया है। **यह निजी विचार है।**

पीएम ई-ड्राइव का सार्वजनिक परिवहन उत्सर्जन पर प्रभाव

29/09/2024 को अधिसूचित पीएम ई-ड्राइव योजना में 14,028 ई-बसों की तैनाती के लिए 4,391 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। प्रारंभिक चरण में, 40 लाख से अधिक आबादी वाले नौ शहरों - मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, सूरत और पुणे में यह योजना लागू की जाएगी। इसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन से होने वाले उत्सर्जन को कम करना है।

ग्रीन आर्मी 11 दिसम्बर से स्वयं पुनर्जीवन स्वच्छता अभियान शुरू करेगी

रायपुर – लोकशक्ति

शहर की ऐतिहासिक धरोहर महाराजबंध तालाब की निरंतर बिगड़ती स्थिति को ध्यान में रखते हुए ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ द्वारा पिछले एक माह से शासन-प्रशासन को कई बार निवेदन और अनुरोध भेजे गए, जिनमें तालाब की वास्तविक परिस्थिति, बढ़ती गंदगी, जलकुंभी, सीवेज जल, निष्क्रिय एस.टी.पी. और सीमांकन की समस्या को विस्तार से बताया गया था। 08 नवम्बर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में भी प्रशासन से तत्काल कार्यवाही का आग्रह किया गया था।

इसके बावजूद आज तक तालाब की सफाई, निरीक्षण या सुधार से संबंधित किसी भी प्रकार की कार्रवाई प्रारंभ नहीं हुई। न कोई विभागीय टीम स्थल पर पहुँची और न ही किसी सुधार कार्य का आरंभ हुआ। रायपुर की यह पवित्र, प्राचीन और

पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर लगातार उपेक्षा की शिकार बनी हुई है। इसी परिस्थिति को देखते हुए ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ ने यह तय किया है कि 11 दिसम्बर 2025 की सुबह 7. 30 बजे से ÷महाराजबंध तालाब पुनर्जीवन स्वच्छता अभियान÷ स्वयं आरंभ किया जाएगा। यह अभियान जन-सहयोग, सामाजिक सहभागिता और सकारात्मक प्रयासों पर आधारित होगा, जिसमें तालाब की सफाई, जलकुंभी हटाने, परिसर को व्यवस्थित करने, गंदे पानी के स्रोत चिन्हित करने और नागरिकों को जागरूक करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। यह प्रयास किसी विरोध के रूप में नहीं, बल्कि शहर की धरोहर को बचाने की जिम्मेदारी के रूप में किया जाएगा। हम रायपुर के समस्त निवासियों से हार्दिक अपील करते हैं कि वे 11 दिसम्बर, गुरुवार की सुबह 7.30 बजे महाराजबंध तालाब परिसर में उपस्थित होकर इस पुनर्जीवन अभियान का हिस्सा बनें। आपका सहयोग न केवल तालाब को नया जीवन देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुंदर पर्यावरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ का विश्वास है कि जब नागरिक स्वयं आगे आते हैं, तो हर धरोहर फिर जीवित हो उठती है। संगठन यह संकल्प दोहराता है कि हम शहर की जल-धरोहरों को बचाने और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए सतत, प्रतिबद्ध और सकारात्मक प्रयास जारी रखेंगे।

क्षेत्रों और संस्कृतियों के जोड़ती है देश की जीवन रेखा भारतीय रेल : वी सोमन्ना

पीआईबी

रेल और जल शक्ति राज्यमंत्री श्री वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस का आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया।

तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस शुरू किए जाने से कई दूरगामी लाभ होंगे। इससे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को काफी मजबूती मिलेगी। यह श्रद्धालुओं के लिए आंध्र प्रदेश की दक्षिण तटीय पट्टी से शिरडी के लिए पहली सीधी ट्रेन सेवा है। यह ट्रेन भारत के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों, तिरुपति और शिरडी को सीधे जोड़ कर तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी।

इस नई ट्रेन से इसके मार्ग में तीर्थ पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा यह क्षेत्रीय विकास में सहायक होगी। यह यात्रियों को सुरक्षित, आरामदेह और निर्बाध अंतरराज्यीय यात्रा का विकल्प मुहैया कराएगी। इससे तीर्थयात्रियों के समग्र रेल यात्रा अनुभव में वृद्धि होगी। इस साप्ताहिक ट्रेन से तीर्थयात्री निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन को एक तरफकी यात्रा पूरी करने में लगभग 30 घंटों का समय लगेगा।

श्री वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस के शुभारंभ को चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल सिर्फ परिवहन का माध्यम नहीं है। यह देश की जीवन रेखा के रूप में क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ती भी है।

रेल और जल शक्ति राज्यमंत्री ने कहा कि अब तिरुपति और शिरडी सीधी ट्रेन सेवा से जुड़ गए हैं। यह ट्रेन नेल्लोर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर और मनमाड़ समेत 31 महत्वपूर्ण स्थानों पर रुकेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से तीर्थ पर्यटन और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलने के साथ ही इसके मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद से सीधी कनेक्टिविटी मुहैया कराएगी। अपने मार्ग में यह एक महत्वपूर्ण शैव मंदिर परली वैजनाथ को भी जोड़ेगी।

श्री वी सोमन्ना ने कहा कि आंध्र प्रदेश में 2014 से रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का साझा औसत रेल बजट 886 करोड़ रुपए का था। यह 11 गुना बढ़ कर 2025-26 में 9417 करोड़ रुपए का हो गया। राज्य में 93000 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं पर काम जारी है। आंध्र प्रदेश में 2014 से अब तक 1580 किलोमीटर नई रेल पटरियां बिछाई गई और 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा किया गया। राज्य में वर्तमान में 73 अमृत स्टेशन हैं। श्री सोमन्ना ने 800 फ्लाईओवरों और पुलों के निर्माण, 110 लिफ्ट और 40 एस्केलेटर लगाए जाने तथा 16 वंदे भारत (8 जोड़ी) और 6 अमृत भारत (3 जोड़ी) ट्रेन सेवाओं की शुरुआत का भी जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे तिरुपति में तिरुपति अमृत स्टेशन समेत 312 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। प्रमुख जारी परियोजनाओं में तिरुपति-पकाला-कटपड़ी मार्ग पर 105 किलोमीटर का दोहरीकरण 1215 करोड़ रुपए के खर्च से किया जा रहा है। कुल 83 किलोमीटर की गुडूर-रेनिगुंटा तीसरी लाइन पर 875 करोड़ रुपए खर्च होंगे। नादिकुड़ी-श्रीकालाहस्ती 310 किलोमीटर नई लाइन पर 5900 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसके अलावा, 287 किलोमीटर की विजयवाड़ा-गुडूर तीसरी लाइन पर 6235 करोड़ रुपए और 25 किलोमीटर की येरपेडु-पुडी बाईपास लाइन पर 490 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

आंध्र प्रदेश के सड़क और भवन तथा अवसंरचना और निवेश मंत्री श्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने मुख्य अतिथि के तौर पर समारोह में हिस्सा लिया। इसमें उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में तिरुपति के सांसद डॉ मदिला गुरुमूर्ति, विधान परिषद सदस्य श्री बी कल्याण चक्रवर्ती, तिरुपति से विधानसभा सदस्य श्री ए श्रीनिवासुलु तथा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के सदस्य श्री भानु प्रकाश रेड्डी भी शामिल थे।

ऑल इंडिया ओपन कराते चौंपियनशिप दुर्ग में संस्कारधानी के खिलाड़ियों ने जीते 43 पदक

संस्कारधानी के कराते खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ के लिये जीता 22 स्वर्ण, 12 रजत एवम 09 कांस्य पदक

अखिल भारतीय ओपन कराते चौंपियनशिप 2025, जिला दुर्ग में विगत 06 एवं 07 दिसम्बर को सेक्टर 9, महिला महाविद्यालय सेक्टर 9 भिलाई में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में राजनांदगांव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स स्कूल, कस्तूरबा महिला मंडल, राजनांदगांव के 25 खिलाड़ीयों ने भाग लेकर 22 स्वर्ण, 19 रजत एवम 09 कांस्य पदक सहित कुल 43 पदक जीतने में सफलता प्राप्त की है। छत्तीसगढ़ के टीम कोच एवं राष्ट्रीय स्तर के कराते प्रशिक्षक शिहान मुरली सिंह भारद्वाज के नेतृत्व में जिले के खिलाड़ियों ने

यह उपलब्धि अर्जित की है। इस चौंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के अलावा, अन्य कई राज्यों की टीमों ने सम्मिलित होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उपरोक्त स्पर्धा में भाग लेने वाले विजेता खिलाड़ियों को छ.ग. टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष एवं राजनांदगांव जिला कराते संघ के अध्यक्ष नीलू शर्मा, महापौर मधुसूदन यादव, जिला कराते संघ के सचिव शिहान मुरली सिंह भारद्वाज, उपाध्यक्ष सेंसाई कमल पूजन, कोषाध्यक्ष दुर्गेश त्रिवेदी, सहसचिव सतीश पदम, गुण्डाधुर अवॉर्डी सेंसाई अंबर सिंह भारद्वाज एवं कस्तूरबा महिला मंडल राजनांदगांव की संरक्षक श्रीमती शीला कोठारी, श्रीमती शारदा तिवारी, श्रीमती सरस्वती माहेश्वरी, सचिव श्रीमती साधना तिवारी, राजनांदगांव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स स्कूल के वरिष्ठ खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक करण साहू, दुर्गेश साहू, तरुण साहू ,जयदीप सिन्हा, भास्कर साहू, पुरविल साहू, मोनिका पाढ़ी एवं समस्त पालकगणों ने शुभकामनाएं देते हुए इन खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। टूर्नामेंट में पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम एवं पदक विवरण।

ट्राई ने आंध्र प्रदेश में एलुरु शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

पीआईबी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नवंबर 2025 में आंध्र प्रदेश लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) के तहत एलुरु शहर के व्यापक शहरी मार्गों को कवर करते हुए, आंध्र प्रदेश राज्य के लिए अपने स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) निष्कर्ष जारी किए। ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद की देखरेख में आयोजित इन ड्राइव परीक्षणों को विभिन्न उपयोग वातावरणों- शहरी क्षेत्रों, संस्थागत हॉटस्पॉट, ग्रामीण आवासीय क्षेत्रों आदि में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत?ता की जांच के लिए डिज़ाइन किया गया था। 11 नवंबर 2025 से 13 नवंबर 2025 के बीच , ट्राई की टीमों ने एलुरु शहर के 348.6 किलोमीटर क्षेत्र में ड्राइव टेस्ट और 8 हॉटस्पॉट स्थानों के लिए विस्तृत परीक्षण किए। मूल्यांकन की गई तकनीकों में 2जी, 3 जी, 4 जी और 5 जी शामिल थे।

'आंचलिक क्रिकेट प्रतियोगिता (मध्य क्षेत्र) 2025' में हरियाणा की टीम विजयी रही'

'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा आयोजित

संवाददाता। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 08 दिसंबर से 09 दिसंबर 2025 तक रियाज क्रिकेट एकादमी, क्रिकेट मैदान में 'आंचलिक क्रिकेट प्रतियोगिता (मध्य क्षेत्र) 2025' आयोजित की गई जिसमें कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की 05 टीमों मुख्यालय(नईदिल्ली), हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश एंव छत्तीसगढ़ ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पहले दिन के मैच में पहला मैच स्वागत समारोह के पश्चात् मध्यप्रदेश एंव हरियाणा के बीच हुआ। जिसे हरियाणा ने अपनी कुशल रणनीति के आधार पर जीता। दूसरा मैच जो कि सेमीफाइनल था उसे क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर की छत्तीसगढ़ टीम ने मुख्यालय, नई दिल्ली के साथ खेला जिसे मुख्यालय (नईदिल्ली) ने जीता और फाइनल में पहुँचे । पहले दिन का तीसरा मैच राजस्थान एंव हरियाणा के मध्य खेला गया जिसे हरियाणा ने जीतकर फाइनल मे अपना स्थान सुरक्षित किया। आज दिनांक 09.12.2025 को खेले गए फाइनल मैच में हरियाणा की टीम ने दिल्ली (मुख्यालय) के साथ खेलते हुए 183/5 रन का स्कोर बनाया जिसका पीछा किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

दिनांक 05.12.2025

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	निविदा आमंत्रण एवं डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
NIT NO. 269 Tender No. 181248	भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत पौंसरी पहुंच मार्ग लंबाई 1.65 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	प्रथम आमंत्रण 24.12.2025	रू. 165.81 लाख
NIT NO. 270 Tender No. 181250	जिला धमतरी के मुख्य मार्ग से (धमतरी सिहावा मार्ग) ग्राम पंचायत केकराखोली पहुंच मार्ग में स्थित नाला में पुलियां निर्माण (ग्राम पंचायत केकराखोली पहुंच मार्ग में स्थित नाला में 11 Row 1200 mm Dia HPC vented causeway का निर्माण कार्य)। (जमा मद कार्य)	द्वितीय आमंत्रण 19.12.2025	रू. 29.98 लाख
NIT NO. 271 Tender No. 181252	जिला महासमुंद के उपसंभाग पिथौरा अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत एवं रंगाई पुताई कार्य।		रू. 15.00 लाख
NIT NO. 272 Tender No. 181253	जिला गरियाबंद के विकासखंड छुरा अंतर्गत स्थित तहसील कार्यालय भवन में बाउंड्रीवॉल, मिटिंग हॉल, पार्किंग शेड, बैठक स्थल में शेड का निर्माण एवं मरम्मत कार्य। (जमा मद कार्य)		रू. 20.85 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्युडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धत्ता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,

जिला भाजपा की संगठन बैठक में गजेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं का दिल जीता

लोकशक्ति

संगठनात्मक कार्यों के लिए सतत प्रयत्न शील रहूंगा--- जितेन्द्र वर्मा

राजनांदगांव , आज भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं जिला पंचायत,जनपद निगम के अध्यक्षों की आवश्यक बैठक प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य एवं संगठन प्रभारी जितेंद्र वर्मा के अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव ने भारतीय जनता पार्टी के अनुशासन एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने देश के अधिकाधिक प्रदेशों का दौरा किया है, परंतु छत्तीसगढ़ जैसे अनुशासित और संगठन के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता कहीं कहीं दिखे हैं, उन्होंने छत्तीसगढ़ के सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी भाजपा के कार्यकर्ता संगठन के साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आशवस्त किया कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार जनता की सेवा में लगी हुई है ।

पूरी ईमानदारी के साथ प्रदेश सरकार द्वारा किसानों से धान खरीदी की जा रही है, किसी

भी प्रकार की समस्या नहीं आ रही है और इसी तरह से महतारी वंदन योजना का लाभ भी यहां की जनता समय पर ले रही है ।उन्होंने कहा कि प्रदेश में संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार सभी प्रकार के कार्यों की सतत समीक्षा कर रहे हैं और लगातार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं ।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जमीन के बड़े हुए रैटों की समस्या पर मुख्यमंत्री जी ने तुरंत ही संज्ञान लेते हुए इस विषय में लोगों को राहत प्रदान की ।

गजेंद्र यादव ने कहा कि आने वाले दिनों में संगठन और सत्ता के बीच .समन्वय हेतु वे लगातार यहां आते रहेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उनके सुख-दुख के सभी कार्यों में उनके सहभागी बनेंगे।कार्यकर्ताओं से बेबाक बातचीत कर उन्होंने कार्यकर्ताओं का दिल जीत लिया ।

मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इसके पूर्व बैठक में पदाधिकारियों का परिचय जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कराया,तत्पश्चात संगठन प्रभारी एवं दुर्ग भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि राजनांदगांव की चारों विधानसभा में भाजपा का झंडा फहराने हेतु वह लगातार इस क्षेत्र पर आते रहेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर आने वाले चुनाव में .भाजपा का परचम राजनांदगांव के साथ साथ शेष क्षेत्रों में फहराएंगे ।जितेंद्र वर्मा ने कार्यकर्ताओं को चुनाव पुनरीक्षण अभियान एवं आत्मनिर्भर भारत का महत्व बताते हुए अपनी ऊर्जा लगाने का आवाहन किया ।

बैठक में वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख ने भी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक बातें बताई और नवनियुक्त संगठन प्रभारी तथा प्रभारी मंत्री से लगातार सक्रियता का आग्रह करते हुए कहा कि आपकी सतत सक्रियता से जिले की तीन विधानसभाओं की शून्यता समाप्त होगी ।

बैठक का सफल संचालन जिला महामंत्री सौरभ कोठारी एवं आभार प्रदर्शन .डिकेश साहू ने किया ,इस दौरान प्रमुख रूप से तेलघानी आयोग के अध्यक्ष जितेंद्र साहू जी,श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख,प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष रामजी भारती, रमेश पटेल, जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत,वरिष्ठ भाजपा नेता सचिन बघेल, राजेन्द्र गोलछा,जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, उपाध्यक्ष किरण साहू,अशोक चौधरी,रविंद्र वैष्णव,जिला उपाध्यक्ष रोहित चंद्राकर तरुण लहरवानी, जगजीत सिंह भाटिया, देवकुमारी साहू,किरण बारले, मीना पुजेरी,जिला कोषाध्यक्ष भावेश बैद,सत्यप्रकाश मिश्रा, भाजपा नेता रविन्द्र वैष्णव,मंत्री प्रीति ताम्रकार, ऋषि देव चौधरी, बंटीलाल,जैन मेश्राम,

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

नव दायित्व मिलने के बाद अमर सुल्तानिया ने मुख्यमंत्री व शीर्ष नेतृत्व से भेंट कर लिए मार्गदर्शन व आशीर्वाद

संवाददाता

जांजगीर-चांपा। भाजपा की संगठनात्मक पुनर्रचना के बीच जशपुर जिले का संगठन प्रभारी बनाए जाने के उपरांत अमर सुल्तानिया ने राजधानी पहुँचकर प्रदेश नेतृत्व से सौजन्य भेंट की। नई भूमिका को लेकर नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और जिले में संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक दिशाङ्कनिर्देश भी प्रदान किए। सुल्तानिया ने इस अवसर पर कहा कि विश्वास के इस दायित्व को वे पूर्ण मनोयोग से निभाएँगे और संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी।

जशपुर के नवनियुक्त संगठन प्रभारी का दायित्व मिलने के बाद रायपुर में अमर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने जशपुर की संगठनात्मक अहमियत का उल्लेख करते हुए सुल्तानिया को सक्रिय संवाद, कार्यकर्ताङ्कसंपर्क और जनाधार विस्तार पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इसके पश्चात वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मिले। डॉ. सिंह ने उनके राजनीतिक सफर और युवावस्था से चले आ रहे संगठनात्मक योगदान की सराहना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने शुभकामनायें देते हुए सुल्तानिया से कहा कि अनुभव और संगठनात्मक समझ जशपुर जिले में सकारात्मक गति प्रदान करेगी। नई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और उन पर विश्वास जताने के लिए के लिए सुल्तानिया ने क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का भी आभार जताया है।

नव दायित्व के बाद प्रदेश के वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, तथा क्रेड़ा अध्यक्ष और जांजगीरङ्कचांपा विधानसभा प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कण्डेय तथा प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज का भी अमर ने आभार व्यक्त किया साथ ही सार्थक बातचीत हुई। सभी ने नव दायित्व के प्रति उनके उत्साह और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नंदन जैन, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग से मिल कर आभार जताया और कहा कि वरिष्ठों का मार्गदर्शन उनके लिए ऊर्जा का कार्य करता है। शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद अमर सुल्तानिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उसे वे पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और कार्यकर्ताङ्ककेन्द्रित कार्यशैली से निभाएँगे। इस अवसर अमर सुल्तानिया के साथ जितेंद्र खंडे, मुकेश भोपालपुरिया, सुनील पाण्डेय, साकेत तिवारी मौजूद रहे।

प्रतिभाशाली युवा प्रद्युम्न का निधन समाज के लिए अपूर्णीय क्षति

संवाददाता

अंत्येष्टि पर सर्व समाज ने किया श्रद्धांजलि अर्पित

जांजगीर चांपा / ग्राम बिरकोनी अकलतरा हाल मुकाम ब्लाक कालोनी जांजगीर निवासी 22 वर्षीय प्रतिभाशाली,कर्तव्यनिष्ठ युवा प्रद्युम्न सिंह पिता श्री संतोष सिंह बैस का दिनांक 8 दिसंबर को अपने कर्तव्य स्थल जे के फार्मेसी कॉलेज बिलासपुर में छात्रों को अध्यापन कार्य संपादित कराते हुए आकस्मिक देहावसान से समस्त राजपूत क्षत्रिय समाज सहित समस्त आत्मीय जन स्तब्ध हैं । इसकी सूचना मिलते ही परिवार एवं पूरे समाज में शोक का माहौल छा गया एवं उनके निवास ब्लाक कालोनी जांजगीर में उनके सहपाठियों सहित समाज के लोगों ने शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने उपस्थित हो गए । तदोपरांत उनकी अंतिम यात्रा जांजगीर रानी पारा स्थित मोक्ष धाम के लिए रवाना हुए जहां भारी संख्या में उपस्थित आत्मीय जनों द्वारा अत्यंत व्यथित हृदय से अंतिम विदाई देते हुए शोक संतप्त परिवार को इस अपार विरह की संवेदनाओं को सहने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक सभा के माध्यम श्रद्धांजलि अर्पित किया गया ।इस अवसर पर उनके अनुज कौशलेंद्र सिंह ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी।विदित हो 18 मार्च 2003 को जन्म लिए प्रद्युम्न सिंह शुरू से ही प्रतिभाशाली विद्यार्थी थे जो पशु विभाग में शासकीय सेवा में पदस्थ अपने पिता संतोष कुमार सिंह बैस के मार्गदर्शन में पढ़ाई के करने के साथ जे के फार्मेसी कॉलेज बिलासपुर में एम फॉर्मा की पढ़ाई करते हुए अपनी योग्यता से जे के फार्मेसी कॉलेज बिलासपुर में ही बी फॉर्मा एवं डी फॉर्मा के छात्रों को पढ़ाते भी थे।

विधायक हरबंश ने कोसला में 49 लाख से बनने वाले गौरव पथ निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

लोकशक्ति

जांजगीर चांपा। पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के माता कौशल्या की पावन भूमि ग्राम कोसला में 49 लाख रुपए की लागत से गौरव पथ सह नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक शेषराज हरवंश के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती हरवंश ने कहा कि क्षेत्र विकास की ओर कदम से कदम बढ़ाते हुए प्रगति की ओर अग्रसर हो रही है। ग्राम कोसला का यह मार्ग गांव की बहुप्रतीक्षित आवश्यकता थी, जिसके पूरा होने से आवागमन सुगम होगा तथा ग्रामीणजन को उसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गांवों की मूलभूत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। विधायक श्रीमती हरवंश की अनुशंसा पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोसला में 49.1 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क सह नाली निर्माण की स्वीकृत दी गई है। उक्त निर्माण कार्य कमला देवी हायर सेकेंडरी स्कूल से कोटवार के घर की और 5 सौ मीटर लंबा सीसी रोड सह नाली निर्माण होगा। गांव में पक्की सड़क एवं नाली की स्वीकृत मिलने से ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए विधायक श्रीमती हरवंश के प्रति आभार व्यक्त की हैं। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मानेश जांगड़े, जनपद उपाध्यक्ष रूपचंद साहू, सरपंच राजकुमार नागरे,पूर्व सरपंच श्रीमती दुर्गेश्वर तिवारी, सुरेश तिवारी, विधायक प्रतिनिधि नीरज खूंटे, यशवंत साहू, व्यास वर्मा, धनंजय सिंह, योगेश साहू,आशीष तिवारी, उदल कश्यप सहित सभी पंचगण,महिला कमांडो एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अवैध खनन,परिवहन पर जिला प्रशासन सख्त, 5 वाहन जब्त प्रकरण दर्ज

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिला खनि अधिकारी श्री अनिल कुमार साहू ने बताया कि बम्हनीडीह, पुछेली, बिर्रा, कनस्दा, हथनेवरा और पीथमपुर क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया गया। खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा 1 ट्रैक्टर (ग्राम पुछेली),1 हाईवा (पीथमपुर),1 ट्रैक्टर (कनस्दा),2 हाईवा (बम्हनीडीह) में कुल 5 वाहनों को जप्त किया गया। सभी वाहनों को संबंधित थाना एवं पुलिस रक्षित केन्द्रों में सुरक्षा हेतु रखा गया है। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि बम्हनीडीह एवं पुछेली क्षेत्र में अब तक 66 प्रकरण अवैध परिवहन में 11,87,480 व 06 प्रकरण अवैध उत्खनन में 3,00,230 एवं 04 प्रकरण अवैध भंडारण में 9,77,840 कुल 76 मामलों में 24,65,550 की शास्ति राशि वसूलकर खनिज मद में जमा की गई है। अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के खिलाफ खनन एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। संबंधित वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। भविष्य में पुनरावृत्ति होने पर माननीय न्यायालय में परिवाद दर्ज कर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अवैध खनन की रोकथाम हेतु खनिज अमला और जिला स्तरीय टास्कफोर्स द्वारा लगातार गश्त व जांच की जा रही है। प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला की तैयारियों के संबंध में ली बैठक

बैठक में उद्योग, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, बैंकर्स, प्राइवेट कंपनियां, सेवा प्रदाता एजेन्सी तथा नर्सिंग होम के प्रतिनिधि हुए शामिल

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला की तैयारियों के संबंध में बैठक ली। बैठक में उद्योग, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, बैंकर्स तथा नर्सिंग होम प्रतिनिधि शामिल हुए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के युवाओं को बैंकिग क्षेत्र, डेटा एंट्री ऑपरेटर, टैली ऑपरेटर एवं सर्विस सेक्टर की अन्य मांगों के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सर्विस सेक्टर में रोजगार के अनेक अवसर हैं, इसलिए युवाओं को इन क्षेत्रों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं बैंकर्स से उनके मानव संसाधन की वास्तविक आवश्यकता का डेटा उपलब्ध कराने कहा, ताकि मेले में अधिकतम युवाओं को उचित अवसर मिल सके। साथ ही नर्सिंग होम्स की मांग को ध्यान में रखते हुए वृद्धों एवं बच्चों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित स्टाफ तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि जिले के युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ना है। उन्होंने सभी संस्थान रोजगार मेले में सक्रिय रूप से शामिल होकर अधिक से अधिक युवाओं को अवसर प्रदान करें। सभी संबंधितों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सूची भेजने तथा आगामी रोजगार मेले में उपस्थित रहकर युवाओं को अधिकतम लाभ पहुंचाने कहा।

कब और कहा होगा रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला का आयोजन – रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला 17 दिसम्बर 2025 को कृषि उपज मंडी प्रांगण जनपद पंचायत अकलतरा, 26 दिसम्बर 2025 को समरसता भवन जावलपुर जनपद पंचायत बलौदा, 07 जनवरी 2026 को सद्भावना भवन जनपद पंचायत पामगढ़, 16 जनवरी 2026 को शासकीय हाई स्कूल मैदान कपिस्दा जनपद पंचायत बम्हनीडीह तथा 28 जनवरी 2026 को जी.एल.डी. स्कूल रोड खैरताल नवागढ़ जनपद पंचायत नवागढ़ में आयोजित होगा।

कलेक्टर ने कहा कि रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला के आयोजन के माध्यम से स्व सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज में बढ़ोतरी, बैंकों द्वारा प्रायोरिटी सेक्टर में ऋण वितरण का विस्तार, ग्रामीण हितग्राहियों को विभिन्न सरकारी स्व-रोजगार योजनाओं से जोड़ना तथा मुद्रा, स्वयं सिद्धा, पीएम स्वनिधि, पीएमईजीपी, केसीसी, पशुपालन, मछलीपालन, पीएम एफएमई, अन्त्यव्यवसायी, एनयूएलएम, पीएम विश्वकर्मा सहित अन्य योजनाओं का लाभ अधिकतम हितग्राहियों तक पहुँचाना है। साथ ही कार्यक्रम में नवीन बैंक खाता खोलने, बीमा क्लेम कराने, आधार पंजीयन, वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फ्रॉड से रोकथाम के प्रति जागरूकता लाने के साथ बैंकिंग समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा, जिससे प्रत्येक ग्रामीण व लाभार्थी को एक ही मंच पर संपूर्ण सुविधा उपलब्ध हो सके। रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला में प्राइवेट कंपनियाँ, उद्योग, नर्सिंग संस्थान, वित्तीय संस्थान, राइस मिल, शिक्षा संस्थान एवं सेवा प्रदाता एजेंसियाँ शामिल होकर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। वहीं बैंक के.सी.सी. एवं ऋण स्वीकृति के शत-प्रतिशत लक्ष्य की दिशा में कार्य करेंगे। इसके साथ ही हितग्राहियों का पंजीयन, प्रशिक्षण चयन, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का स्टॉल, वितरण एवं ऑन द स्पॉट पंजीयन भी किया जाएगा।

पचास लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को नवागढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी सुखसागर टंडन उर्फसागर उर्फ डोडीहा उम्र 24 वर्ष निवासी कटोद थाना नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा*

जांजगीर चांपा / पचास लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को नवागढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है । पकड़े गए आरोपी सुखसागर टंडन कटोद का रहने वाला है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्ग दर्शन में थाना नवागढ़ पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर रेड कार्यवाही किया गया जहां आरोपी के कब्जे से 50 लीटर अवैध कच्ची महुआ कीमती 5000 रुपए को बरामद कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया । उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक कमलेश शेन्डे थाना प्रभारी नवागढ़ एवम थाना स्टाफ का योगदान रहा।

नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले किया अनाचार आरोपी को कोरबा तरफसे सारागांव पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / नाबालिक बालिका को भगा ले जाकर अनाचार के आरोपी को सारागांव पुलिस ने कोरबा तरफसे पकड़ लिया है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 6 अगस्त 2025 की रात्रि में आरोपी हितेश कुमार साहु निवासी बिरगहनी द्वारा नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर कर अपहरण कर भगा ले गया था। इसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना सारागाव में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया था। नाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए ?विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी चांपा यदुमनी सिदार के नेतृत्व में आरोपी को पकड़ा ,

खास खबर

एक ही दिन ससुर-दामाद की मौतः डूमरकछार में हादसे में उदेश्वर की मौत, परिवार और गाँव में गहरा मातम-पुलिस वाहन की तलाश में जांच तेज

कोरबा। एक ही दिन ससुर-दामाद की मौतः डूमरकछार में हादसे में उदेश्वर यादव की मौत, परिवार और गाँव में गहरा मातम -पुलिस वाहन की तलाश में जांच तेज रतनपुर में अपने बीमार ससुर को देखने गए उदेश्वर (42 वर्ष) जब वापस लौट रहे थे, तभी पाली डूमरकछार के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उदेश्वर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।उसी समय रास्ते से गुजर रहे परिचित सुशील कुमार डिक्सेना ने उदेश्वर को सड़क पर पड़ा देखा। पहचानते ही उन्होंने तुरंत उन्हें अपने एंबुलेंस से कटघोरा अस्पताल की ओर ले जाने की कोशिश की, लेकिन चोटें अत्यंत गंभीर होने के कारण उदेश्वर ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसे की खबर जैसे ही डूडगा पहुँची, पूरे गाँव में गम और सन्नाटा फैल गया।उदेश्वर अपने पीछे दो छोटे बच्चे, पत्नी और माँ छोड़ गए हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।दुर्भाग्य की पराकाष्ठा यह रही कि उसी दिन 3 दिसंबर 2025 की शाम को उदेश्वर के ससुर का भी निधन हो गया।एक ही दिन ससुर और दामाद दोनों की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है।इधर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।अज्ञात वाहन की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज, राहगीरों के बयान और मौके की जाँच कर रही है।पुलिस का कहना है कि ÷कौन सा वाहन था, उसकी पहचान जल्द की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म पीड़िता से 20 हजार रुपये ऐंठने, गाली-गलौज और आरोपी से सांठगांठ के आरोप..

एसपी ने पहले नहीं सुना फरियाद और अब **किया अनिता खेस को निलंबित.!**

कोरबा दुष्कर्म केस में आरोपी को बचाने, पीड़िता से 20 हजार रुपये लेने और गाली-गलौज करने के संगीन आरोपों ने कोरबा पुलिस प्रशासन को हिला दिया है। मामला महिला आयोग में पहुंचते ही पूरा सिस्टम हरकत में आया और एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने सिविल लाइंस रामपुर थाने की उप-निरीक्षक अनिता खेस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन आदेश 5 दिसंबर 2025 को जारी हुआ।

पीड़िता का बड़ा खुलासा

पीड़िता ने शिकायत में कहा कि जांच अधिकारी ने सबूतों को कोर्ट में जमा नहीं किया। वॉट्सऐप-फेसबुक चैट, पेनड्राइव, कपड़े और डै-सभी को दबा दिया गया। आरोपी प्रवीण डहरिया की तलाश के नाम पर 20 हजार रुपये लिए गए और जब पीड़िता ने सवाल पूछा, तो गाली-गलौज कर थाने से भगा दिया गया। **मिलीभगत के आरोप ने बढ़ाई आग** पीड़िता का कहना था कि जांच अधिकारी और आरोपी के बीच सीधी सांठगांठ है। पुलिस अधीक्षक को पहले शिकायत दी गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने के बाद उसने महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई। मामला जैसे ही सार्वजनिक हुआ, पूरा पुलिस प्रशासन दबाव में आ गया।

एसपी ने किया तुरंत निलंबित

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने जांच अधिकारी अनिता खेस को निलंबित कर पुलिस लाइन कोरबा अटैच कर दिया।

कवर्धा में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए चिकित्सकों का आभार : विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सकों का सम्मान कर साथ किया रात्रि भोज

कवर्धा (संवाददाता)।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा में स्वास्थ्य सुविधाओं को उत्कृष्ट बनाने के लिए अपना योगदान देने वाले चिकित्सकों के सम्मान में समारोह आयोजित किया। समारोह में कवर्धा के जिला अस्पताल एवं निजी अस्पतालों के चिकित्सक उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने सभी के साथ इस समारोह में शामिल हुए और सभी को साल श्रीफल भेंट कर सम्मानित कर सभी के साथ रात्रि भोज किया। उन्होंने सभी से कवर्धा में चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने जिले के सुदूर वनांचलों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की सेवा करने वाले चिकित्सकों को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने सभी को चिकित्सकों से कवर्धा में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि चिकित्सक आधे भगवान होते हैं किसी भी आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने का कार्य करते हैं, यह काम सेवा भावना से ही किया जा सकता है। यहां कवर्धा के स्थानीय चिकित्सकों के साथ बाहर से आये चिकित्सकों ने भी कवर्धा को अपना कर यहां के लोगों की पूरे मन से सेवा की है जिसके लिए पूरा कवर्धा आपका आभारी है। उन्होंने बताया कि कवर्धा स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए 50 बिस्तरीय मातृत्व एवं शिशु अस्पताल हेतु 40 पद की स्वीकृति, जिला अस्पताल कबीरधाम में 16.63 करोड़ की लागत से क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक, सिटी स्कैन, अत्याधुनिक इंट्रीगेटेड पब्लिक हेल्थ लैब, ओटी एवं हमर लैब में पॉवर बैकअप प्रणाली, जिला चिकित्सालय कबीरधाम की क्षमता 100 बिस्तर बढ़ाकर 220 बिस्तर करने एवं इसके लिए 258 नवीन पदों को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरिया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेंगाखार को एम्बुलेंस, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोड़ला में सोनोग्राफी मशीन प्रदान किया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोड़ला में रहने हेतु शासकीय आवास, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरिया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहसपुर लोहारा में पब्लिक हेल्थ यूनिट का शुभारंभ किया गया है।उपस्वास्थ्य केन्द्र राजा नवागाँव को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तरेगाँव को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन किया गया। सबसे अहम 318.27 करोड़ रूपए की लागत से मेडिकल कॉलेज निर्माण की स्वीकृति मिली है जिससे अब कवर्धा मेडिकल हब बनने जा रहा है। यहां महानगरों जैसी सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी।

जनपद पंचायत पाली फिर विवादों के घेरे में, सीईओ पर लगा कमीशनखोरी का गंभीर आरोप

कोरबा संवाददाता।

जनपद पंचायत पाली एक बार फिर विवादों में घिर गया है। यहां पदस्थ सीईओ भूपेंद्र कुमार सोनवानी पर विकास कार्यों में कमीशनखोरी और डीएमएफ योजना के करोड़ों रुपए के दुरुपयोग का गंभीर आरोप सामने आया है। सरपंच-सचिवों द्वारा लंबे समय से लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच अब पूर्व जनपद सदस्य मिर्जा कय्यूम बेग ने लगभग 15 करोड़ रुपए के कथित घोटाले का मुद्दा उठाकर पूरे प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

15 करोड़ की राशि, न प्रशिक्षण दिखा न सामग्री वितरण

बेग ने कलेक्टर को सौंपे पत्र में बताया कि डीएमएफ योजना के तहत वर्ष 2020-21 में 1.89 करोड़ ,वर्ष 2021-22 में 5.83 करोड़ ,वर्ष 2022-23 में 7.18 करोड़ कुल मिलाकर लगभग 15 करोड़ रुपए प्रशिक्षण कार्यक्रम और हितग्राही सामग्री वितरण के लिए स्वीकृत किए गए।लेकिन बेग के अनुसार जमीनी स्तर पर न तो कोई प्रशिक्षण हुआ और न ही सामग्री का वितरण। पूरा व्यय कागजी रूप से दर्शाकर भारी भरकम वित्तीय अनियमितता को अंजाम दिया गया है।

सूचना मांगी, फीस जमा की, फिर भी जानकारी नहीं

बेग ने बताया कि उन्होंने करीब पांच माह पहले भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत इन कार्यों की जानकारी मांगी थी। सीईओ द्वारा राशि जमा करने कहा गया, जिसे उन्होंने जमा भी कर दिया। इसके बाद भी आज तक किसी भी प्रकार की सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। यह रवैया भ्रष्टाचार की आशंकाओं को और मजबूत करता है।

निष्पक्ष जांच के लिए सीईओ को हटाने की मांग

पूर्व जनपद सदस्य ने कलेक्टर से आग्रह किया है किकृजनपद पंचायत पाली में हुए कथित करोड़ों के घोटाले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए, तथा जांच प्रभावित न हो, इसलिए सीईओ सोनवानी को जांच पूर्ण होने तक अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए।

कोरबा में हाथी के शहर के पास आने से दहशत, वन विभाग ने रास्ते सील कर जनता को किया सतर्क

कोरबा संवाददाता। कोरबा शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर नर दंतैल हाथी के देखे जाने के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। वन विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बालको से कॉफी पॉइंट जाने वाले मार्ग को पूरी तरह सील कर दिया है और आम नागरिकों की आवाजाही पर रोक लगा दी है।

हाथी झुंड से बिछड़ा, आक्रामक हो गया

जानकारी के अनुसार, हाथी अपने झुंड से बिछड़ गया है, जिसके कारण उसका व्यवहार आक्रामक हो गया है। फिलहाल यह हाथी बालको क्षेत्र के फुटामूढा और केसला गांवों के आसपास विचरण कर रहा है। शहर के पास उसकी मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने गंभीर चेतावनी जारी की है कि यह किसी भी समय आबादी की ओर बढ़ सकता है।

वन विभाग की सतर्कता और कार्रवाई

वन विभाग की टीमें लगातार हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं और उसे सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास कर रही हैं। बालको कॉफी पॉइंट नाका के पास सूचना बोर्ड लगाया गया है, जिसमें लोगों को उस दिशा में जाने से सख्त मना किया गया है।

जनता से अपील

अधिकारियों ने लोगों से अनुरोध किया है कि प्रतिबंधित मार्गों का उपयोग न करें और हाथी के विचरण क्षेत्र से दूरी बनाए रखें। किसी भी गतिविधि या हाथी की मूवमेंट की सूचना तुरंत वन विभाग को दें। इसी बीच, कॉफी पॉइंट पर परिवार के साथ घूमने गए अतुल यादव ने बताया कि हाथी की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर घर लौटने का फैसला किया।

रोटरी क्लब ऑफ कोरबा : स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

कोरबा । संवाददाता। रोटरी क्लब ऑफ कोरबा द्वारा आज देवपहरी में स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम÷ का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन नितिन चतुर्वेदी, सचिव रोटेरियन संतोष जैन, रोटेरियन संजय बुधिया, रोटेरियन पारस जैन, रोटेरियन प्रशांत मुरारका, रोटेरियन ऋषभ केशरवानी, रोटेरियन विनोद जलान, रोटेरियन तथा प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन निकेश अग्रवाल रोटेरियन अखिलेश शर्मा, बी के धर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के बच्चों द्वारा अतिथियों के आत्मीय स्वागत से हुई। तत्पश्चात मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बच्चों ने आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभा में आनंद का संचार किया। विभिन्न गीतों और प्रस्तुतियों ने सभी सदस्यों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य के अंतर्गत रोटरी क्लब द्वारा बच्चों को स्कूल बैग, कपड़े, डायरी, पेंसिल, जूते एवं अन्य अध्ययन सामग्री उपहार स्वरूप वितरित की गई।

क्लब का यह प्रयास बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने और उनके शैक्षणिक जीवन को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

होटल के कमरे में मिली महिला की मौत मामले का खुलासा, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

कोरबा संवाददाता।

सीतामणी स्थित चंदेला होटल में मिली महिला की रहस्यमयी मौत के मामले का कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी राकेश कुमार मानिकपुरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

दिनांक 05 दिसंबर 2025 को चंदेला होटल के कमरे नंबर 207 में एक महिला का शव संदिग्ध अवस्था में मिला था। जांच में पता चला कि महिला 04 दिसंबर को राकेश मानिकपुरी (25 वर्ष), निवासी मरकाडीह, जांजगीर-चांपा के साथ होटल में आई थी और दोनों ने कमरा किराये पर लिया था। अगले दिन सुबह 11 बजे तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर होटल प्रबंधन ने जांच की, जहां खिड़की से पैर दिखाई देने पर दरवाजा खोलकर भीतर देखा गया तो महिला मृत अवस्था में पड़ी थी।

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फोरेंसिक टीम की सहायता से जांच की, शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमॉर्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। बाद में मृतका के चाचा शिवा दास ने थाना कोतवाली में आरोपी राकेश मानिकपुरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर धारा 103 बीएनएस के तहत हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

जांच के दौरान पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितिश ठाकुर और नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के निर्देशन में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेही राकेश मानिकपुरी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि महिला उसे शादी के लिए दबाव डाल रही थी, इसी बात पर विवाद हुआ और गुस्से में उसने महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति छात्रावास के प्रतिनिधि मंडल ने की सौजन्य भेंट

रायपुर(संवाददाता)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में शासकीय आदर्श पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, पेंशनबाड़ा रायपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री श्री खुशवंत साहेब उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित गुरु पर्व कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया।प्रतिनिधियों ने बताया कि इस अवसर पर राजधानी रायपुर के विभिन्न छात्रावासों–कालाबाड़ी कन्या छात्रावास, शंकर नगर कन्या छात्रावास, आमापारा छात्रावास, डी.डी.यू. छात्रावास, कबीर छात्रावास, प्रयास छात्रावास, देवपुरी छात्रावास सहित अनेक छात्रावासों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुरु घासीदास जी के विचार सामाजिक सद्भाव, समरसता और मानव-सेवा की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं मूल्य शिक्षा के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताया।प्रतिनिधिमंडल में छात्रावास के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

देश का उपयोगी नागरिक बनाने में स्काउट आंदोलन की अहम भूमिका : राव

तृतीय सोपान जांच शिविर तथा कब बुलबुल उत्सव का ग्रैंड कैम्प फायर

कोरबा। संवाददाता। स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स तथा कब, बुलबुल ने ग्रैंड कैम्प फायर में लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की जोरदार प्रस्तुति दी। कैम्प में पांचों विकासखंड से चार सौ से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हैं।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा द्वारा तृतीय सोपान एवं निपुण जांच शिविर तथा कब बुलबुल उत्सव 2025 का आयोजन विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र. 2, एचटीपीपी में किया जा रहा है। शुक्रवार, 5 दिसम्बर की संध्या ग्रैंड कैम्प फायर का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हसदेव ताप विद्युत गृह के अतिरिक्त मुख्य अभियंता (एफएम.) केएनबी राव ने कहा कि इस के तरह के शिविर आपसी सद्भावना उत्पन्न करते हैं। उन्होंने कहा कि नैतिकता और देश का उपयोगी नागरिक बनाने में स्काउट आंदोलन अहम भूमिका निभा रहा है। श्री राव ने कहा कि एचटीपीपी प्रबंधन भी डिजास्टर मैनेजमेंट और साइबर सुरक्षा जैसे स्काउट के पाठ्यक्रम का लाभ उठाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा की गतिविधियों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अधीक्षण अभियंता एचटीपीपी एवं विद्युत नगर शिक्षण समिति के सचिव अजय सिंह कोर्राम ने भी अपना संबोधन दिया। एचटीपीपी के जनसंपर्क अधिकारी बसंत शाहजीत ने प्रतिभागी बच्चों को कविता के माध्यम से प्रोत्साहित करते हुए नदियों को बचाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप एचटीपीपी के प्रशासनिक अधिकारी अनूप कुमार पात्रे, जिला मुख्यालय आयुक्त विवेक लांडे, जिला सचिव भरत सिंह वर्मा सहित लीडर ऑफ कोर्स द्वय डीगम्बर सिंह कौशिक, उत्तरा मानिकपुरी, नमिता श्यामकुंवर कड़वे, श्रीकांत सिंह भी मंचासीन रहे।

रायपुर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों हीराबाई झरेका बघेल राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित

छत्तीसगढ़ में 18 को आयोजित होगी डाक अदालत, ग्राहकों की शिकायतों पर होगा प्रत्यक्ष समाधान

रायपुर। डाक सेवाओं से संबंधित शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमण्डल, रायपुर द्वारा परिमण्डल स्तर पर डाक अदालत आयोजित की जाएगी। यह अदालत 18 दिसम्बर 2025 (गुरुवार) को शाम 4.00 बजे प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल दोनों माध्यमों से आयोजित की जाएगी।

डाक अदालत में डाक ग्राहकों की विभिन्न श्रेणियों की शिकायतों–जैसे डाक वस्तुओं का वितरण, काउंटर सेवाएँ, लघु बचत योजनाएँ (आर.डी., बचत बैंक, बचत पत्र आदि), रजिस्ट्री, व्ही.पी. पार्सल, एक्सप्रेस पार्सल, स्पीड पोस्ट, मनी ऑर्डर, डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा–का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

ग्राहकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी शिकायतें, यदि कोई हो, तो संबंधित प्रकरण का पूर्ण विवरण सहित 16 दिसम्बर 2025 को दोपहर 2.00 बजे तक कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमण्डल, रायपुर में प्रस्तुत करें। निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त शिकायतें इस डाक अदालत में सम्मिलित नहीं की जाएँगी।

डाक अदालत का आयोजन कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमण्डल, रायपुर जी.पी.ओ. बिल्डिंग, द्वितीय तल, जय स्तंभ चौक, रायपुर स्थित कार्यालय में किया जाएगा।

वीर सैनिकों के कारण ही हमारा जीवन और संपत्ति सुरक्षित है - राज्यपाल डेका

रायपुर। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में गौरवपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि सैनिक निस्वार्थ भाव से हमेशा देश की रक्षा के लिए तैयार रहते है और अपना जीवन देश सेवा के लिए लगाते है। उनके कारण ही हमारा जीवन और संपत्ति सुरक्षित है। इस अवसर पर राज्यपाल ने सशस्त्र झण्डा दिवस निधि के लिए 2 लाख रूपए की सहयोग राशि राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड को प्रदान की।कार्यक्रम में राज्यपाल ने सभी शहीदों की वीर नारियों एवं माताओं, आश्रितों को सम्मान राशि और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। वीरता अलंकरण प्राप्त सैनिकों और झण्डा दिवस के अवसर पर विशेष योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया। राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन के दौरान इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि झण्डा दिवस निधि से लगभग 27 महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है जिनके माध्यम से पूर्व सैनिकों और आश्रित परिवारों को निरंतर सहायता मिल रही है। छत्तीसगढ़ सैनिक कल्याण बोर्ड और गृह विभाग के सहयोग से हमारे वेटरन्स की उत्कृष्ट देखभाग सुनिश्चित की जा रही है। डेका ने कहा कि हमारे सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपना कार्य करते हैं। माइनस डिग्री के तापमान में भी अपनी जिम्मेदारी कुशलता से निभाते है। उन्होंने शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को नमन किया और कहा कि आप लोगों का त्याग अमूल्य है। लोकभवन और छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध है। समारोह की शुरूआत में शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का प्रतीक बैज लगाकर श्री डेका को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के संदेश का वाचन किया। राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर श्री विवेक शर्मा ने झण्डा दिवस निधि के महत्व पर एवं इस निधि से भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी।सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में सबसे ज्यादा राशि एकत्रित करने के लिए कलेक्टर रायपुर श्री गौरव कुमार सिंह एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर कैप्टन श्री अनिल कुमार शर्मा को प्रथम पुरूस्कार एवं कलेक्टर दुर्ग श्री अभिजीत सिंह एवं सैनिक कल्याण अधिकारी दुर्ग को द्वितीय पुरूस्कार एवं राज्यपाल ट्राफी प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के ब्रोशर संक्षेपिका-2025 का भी विमोचन किया गया। न.सी.सी. कैडेटों ने ओजपूर्ण देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये।कार्यक्रम में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री संजय शर्मा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, सेवारत् तथा भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

गाइडलाइन दरों पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के महत्वपूर्ण निर्णय, इंक्रीमेंटल प्रणाली समाप्त, मूल्यांकन प्रक्रिया हुई सरल

जिला मूल्यांकन समितियाँ 31 दिसंबर तक भेजेंगी नए प्रस्ताव

रायपुर । राज्य में 20 नवंबर 2025 से लागू नई गाइडलाइन दरों के संबंध में प्राप्त सुझावों, ज्ञापनों और आपत्तियों पर विचार करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक 07 दिसंबर 2025 को आयोजित की गई। बैठक में पंजीयन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से कई व्यापक निर्णय लिए गए, जो 08 दिसंबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में भूमि मूल्यांकन के लिए लागू इंक्रीमेंटल आधार पर गणना की व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय लिया गया। अब पुनः पूर्व प्रचलित स्लैब आधारित प्रणाली ही लागू रहेगी, जिसके अनुसार नगर निगम में 50 डेसिमल, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन किया जाएगा। इससे नगरीय क्षेत्रों में मूल्यांकन की जटिलता कम होगी और नागरिकों को सीधी राहत मिलेगी। बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान अथवा कार्यालय के अंतरण के समय अब मूल्यांकन सुपर बिल्ट-अप एरिया के बजाय बिल्ट-अप एरिया के आधार पर होगा। यह प्रावधान लंबे समय से मांग में था, जिससे वर्टिकल डेवलपमेंट को गति मिलेगी और शहरी भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। साथ ही बहुमंजिला एवं कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट और प्रथम तल पर 10 प्रतिशत तथा द्वितीय तल एवं उससे ऊपर के तल पर 20 प्रतिशत की छूट के साथ मूल्यांकन करने का निर्णय लिया गया है, जिससे मध्यम वर्ग को किफायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयाँ उपलब्ध होंगी। कमर्शियल कॉम्प्लेक्सों में मुख्य मार्ग से 20 मीटर दूरी पर स्थित संपत्तियों के लिए भूखंड की गाइडलाइन दर में 25 प्रतिशत की कमी करने का भी निर्णय लिया गया है। यह दूरी कॉम्प्लेक्स के मुख्य सड़क की ओर स्थित निर्मित हिस्से से मापी जाएगी, जिससे वास्तविक बाज़ार स्थिति के अनुरूप मूल्यांकन संभव होगा। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने यह भी निर्देश दिए कि हाल ही में बढ़ाई गई दरों पर प्राप्त सभी ज्ञापनों और सुझावों का परीक्षण कर जिला मूल्यांकन समितियाँ 31 दिसंबर 2025 तक अपने संशोधित प्रस्ताव भेजें। इन प्रस्तावों के आधार पर राज्य में आगे की गाइडलाइन दरों की संरचना तैयार की जाएगी। इस बैठक के साथ ही राज्य सरकार द्वारा गाइडलाइन दरों में किए गए कई जनहितैषी सुधार भी लागू हो चुके हैं। नजूल, आबादी और परिवर्तित भूमि पर पहले वर्गमीटर दर लागू होती थी, जिसे अब कृषि भूमि की तरह हेक्टेयर दर पर लागू किया जाएगा। इससे भूमि मूल्य में भारी कमी आई है और नागरिकों को वास्तविक राहत मिली है। उदाहरणस्वरूप रायपुर के वार्ड 28 में एक एकड़ भूमि का मूल्य पहले 78 करोड़ रुपये आंका जाता था, जो अब नए प्रावधानों के अनुसार केवल 2.4 करोड़ रुपये होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। परिवर्तित भूमि पर सिंचित भूमि के ढाई गुना मूल्य जोड़ने का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। दो फसली भूमि पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य जोड़ने, ट्यूबवेल, कुएं, वाणिज्यिक फसलों तथा वृक्षों के मूल्य को भूमि मूल्य में जोड़ने की व्यवस्था भी हटा दी गई है। कांकेर में दर्ज एक उदाहरण में 600 वृक्षों के 78 लाख रुपये मूल्य को अब रजिस्ट्री में शामिल नहीं किया गया, जिससे खरीदार को लगभग 8.58 लाख रुपये की सीधी राहत मिली और पेड़ों की कटाई रोकने में भी यह कदम सहायक सिद्ध होगा। शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में अब 25 से 37.5 डिसमिल तक की कृषि भूमि का मूल्यांकन वर्गमीटर के बजाय हेक्टेयर दर से किया जाएगा। बरौदा (रायपुर) में 37.5 डिसमिल भूमि का मूल्य पहले 26.75 लाख रुपये था, जो अब नए प्रावधानों के अनुसार मात्र 6.30 लाख रुपये होगा। तालाब अथवा मछली टैंक वाली भूमि पर 1.5 गुना दर लगाने का प्रावधान तथा बाउंड्री वॉल और प्लिंथ लेवल के मूल्य जोड़ने की व्यवस्था भी हटा दी गई है।

बीजापुर जिले की चार छात्राओं का राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए चयन

बीजापुर । कार्यालय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बस्तर द्वारा जारी पत्र के अनुसार 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता तैराकी बालिका 14, 17 एवं 19 वर्षीय आयु वर्ग में बीजापुर जिले की चार प्रतिभाशाली बालिकाओं का चयन किया गया है। यह प्रतियोगिता 12 दिसंबर से 17 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित होगी जिसमें देशभर के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। बीजापुर जिले से चयनित खिलाड़ी जिनमें अंडर 14 वर्ग रीता पोरतेटी एवं गुंजन कोरसा वहीं अंडर 19 वर्ग सदना पोरतेटी एवं अक्षिता तोड़ेम प्रतियोगिता से पूर्व चयनित खिलाड़ियों के साथ स्वीमिंग कोच दिप्ती वर्मा 10 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। कलेक्टर संबित ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ये प्रतिभाशाली छात्राएँ न केवल अपने विद्यालय का बल्कि पूरे जिले का नाम राष्ट्रीय पर रोशन करेंगी। आप सभी में अपार क्षमता है। पूर्ण मनोयोग से अभ्यास करें और बेझिझक अपने कौशल का प्रदर्शन करें। जिले से चार खिलाड़ियों का चयन होना बीजापुर के लिए गर्व की बात है। इन बालिकाओं ने कठिन मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई है। इस दौरान खेल अधिकारी नारायण गवेल एवं जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया उपस्थित थे।

पेट्रोल पंप में चोरी-लूट के 5 आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग भी शामिल

रायपुर ।

पुलिस ने थाना मुजगहन क्षेत्र में पेट्रोल पंपों में चोरी और लूट की घटनाओं में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में चार वयस्क और एक बा लक शामिल हैं।गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं कुणाल साहू, टोमन साहू उर्फ मोनू साहू, विनोद निषाद, अनिमेष राठौर उर्फ अंशु और विधि के साथ संघर्षरत एक बालक। इस कार्रवाई में एंटी क्राइम और साइबर यूनिट तथा थाना मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम ने भाग लिया।जानकारी के अनुसार, थाना मुजगहन क्षेत्र में स्थित आरती फ्युल्स के0एस0के0 अ ार मां शीतला फ्युल्स पेट्रोल पंप को आरोपियों ने अपना निशाना बनाया था। पहली घटना 22-23 अक्टूबर 2025 की रात की है, जब प्रार्थी अश्वनी त्रिवेन्द्र अपने पेट्रोल पंप में अकेले थे। CCTV फुटेज में देखा गया कि रात 04:19 बजे एक बाईक पर दो युवक आए और मोटर साइकिल में पेट्रोल भरने के बाद चले गए। कुछ देर बाद दो और युवक आए, जिनमें से एक ने पंप ऑफिस में प्रवेश कर टाइटन घड़ी, तीन मोबाईल फोन, चिल्हर पैसा, 40 लीटर पेट्रोल और विभिन्न कार्ड व दस्तावेज चोरी किए। इस मामले में अपराध क्रमांक 236/25 धारा 331(4), 305, 3(5) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया।दूसरी घटना 1 दिसंबर 2025 की रात 11:15 बजे हुई, जब मां शीतला फ्युल्स पेट्रोल पंप में चार युवक काले रंग की एक्टिवा में आए। दो आरोपियों ने पंप कैबिन में प्रवेश किया। सेल्समैन जय प्रकाश निषाद को धमकी देकर उनका मोबाइल, पेट्रोल-डीजल की बिक्री राशि और निजी पैसा लूट लिया।

आरोपियों ने कैबिन का दरवाजा तोड़ा और फरार हो गए। इस मामले में अपराध क्रमांक 269/25 धारा 309(4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया। उच्च अधिकारियों की निगरानी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अटल नगर विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम संदीप मित्तल, उप पुलिस अधीक्षक क्राइम संजय सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर कर्ण कुमार उके को जांच निर्देशित किया। टीम ने घटना स्थलों का निरीक्षण किया, CCTV फुटेज का अवलोकन किया और मुखबीर लगाकर आरोपियों की पतासाजी की।

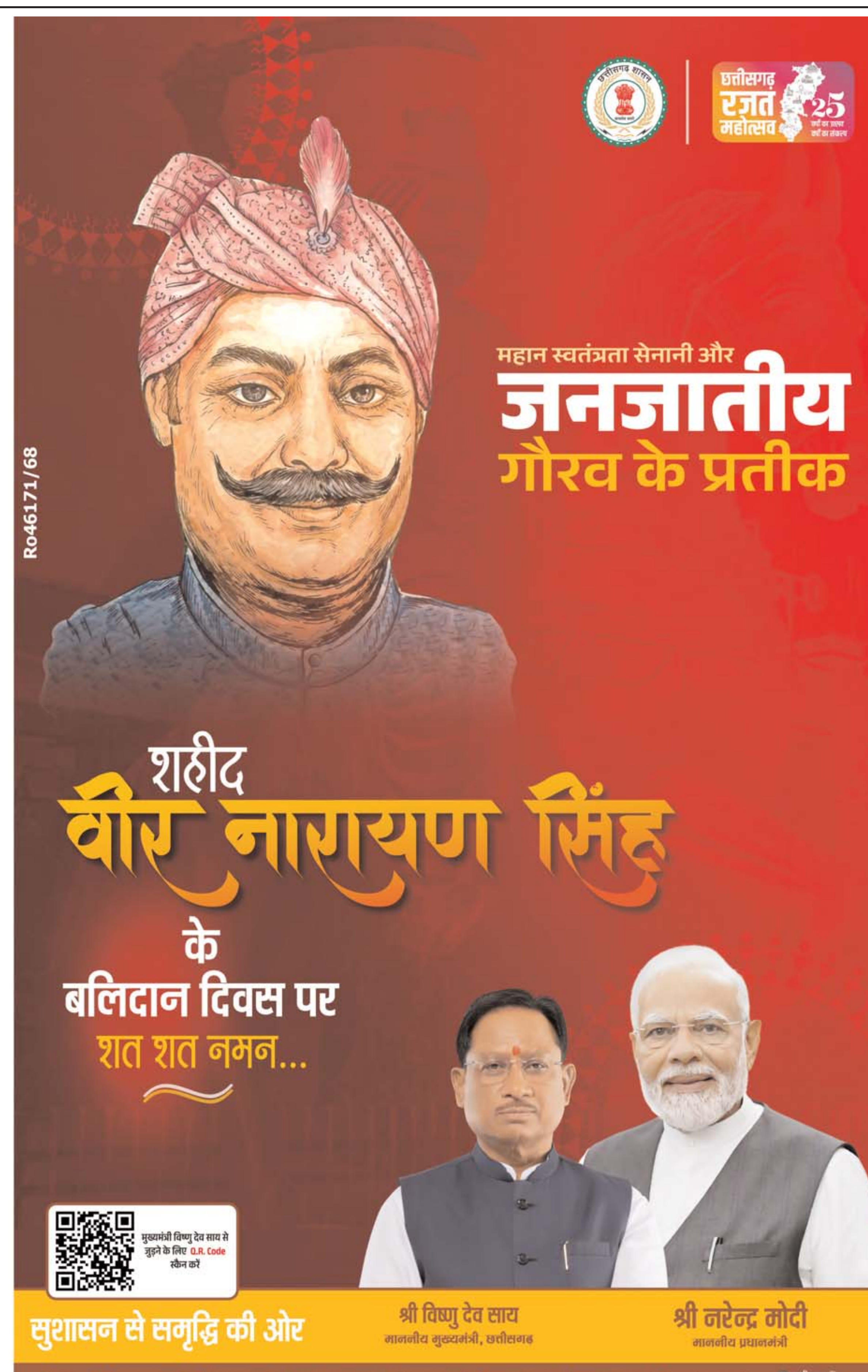

कवर्धा में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए चिकित्सकों का आभार - उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

कवर्धा में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए चिकित्सकों का आभार - उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सकों का सम्मान कर साथ किया रात्रि भोज

जिले के सुदूर वनांचलों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की सेवा करने वाले चिकित्सकों को भी किया सम्मानित

रायपुर। कवर्धा में स्वास्थ्य सुविधाओं को उत्कृष्ट बनाने के लिए अपना योगदान देने वाले चिकित्सकों के सम्मान में समारोह का आयोजन उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कवर्धा के जिला अस्पताल एवं निजी अस्पतालों के चिकित्सक उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने सभी के साथ इस समारोह में शामिल हुए और सभी को साल श्रीफल भेंट कर सम्मानित कर सभी के साथ रात्रि भोज किया। उन्होंने सभी से कवर्धा में चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने जिले के सुदूर वनांचलों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की सेवा करने वाले चिकित्सकों को विशेष रूप से सम्मानित किया।

उन्होंने सभी को चिकित्सकों से कवर्धा में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि चिकित्सक आधे भगवान होते हैं किसी भी आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने का कार्य करते हैं, यह काम सेवा भावना से ही किया जा सकता है। यहां कवर्धा के स्थानीय चिकित्सकों के साथ बाहर से आये चिकित्सकों ने भी कवर्धा को अपना कर यहां के लोगों की पूरे मन से सेवा की है जिसके लिए पूरा कवर्धा आपका आभारी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)